# HRA AN UNIVA

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19

नई दिल्ली, शनिवार, मई 13, 1978 (वैशाख 23, 1900)

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 13, 1978 (VAISAKHA 23, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III--खण्ड 1

# PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंद्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा स्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० धर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 27-3-78 से 31-5-78 तक 66 दिन की श्रवधि के लिए, प्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं ए० 32014/1/78-प्रणा० III (2) - - इस कार्यालय की समसंख्य है प्रिधिसूचना दिनांक 27-3-78 के प्राणिक संशोधन में संघ लोक सेवा प्राथोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी श्रार० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 12-3-78 सं 14-4-78 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भो पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मृखर्जी. श्रवर सचिव प्रशासन प्रभारी संघ लोक सेवा श्रायोग प्रवर्तन निवेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन श्र<mark>िधिनियम</mark> नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रप्रैल 1978

सं० ई०-3 (31)/72—-प्रवर्तन निदेशालय के निम्नलिखित प्रवंतन श्रधिकारी उनके द्वारा श्रपने-ग्रपने पद का कार्यभार संभालने की तारीख से ग्रगले श्रादेशों तक के लिए इस निदेशालय में मुख्य प्रवर्तन श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनकी नियुक्ति के स्थान ग्रौर कार्यभार संभालने की तारीखें उनके नाम के सामने विए गए हैं।

क्र०सं० नाम	नियुक्ति का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्री ष्टी० के० मिश्रा	कलकत्ता	28-2-78
2 श्री श्रार० एस० सेठ	मुख्यालय	13-3-78
3. श्रीबी० के० बोस	कलकत्ता	28-2-78
4. श्री श्रार० एम० मुहगप्पन	मद्रास	15-3-78

एस० डी० मनचन्दा,

निदेशक

## गृह् मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रप्रैल 1978

सं० 3-1402/8/9/75-एन० ई० वौल-1 —राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सरकार के पशुपालन निदेशक, श्री एच० गृहा को 9 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रौर श्रगले श्रादेश होने तक उत्तर पूर्वी परिषद् सचिवालय, शिलांग में सलाह-कार (पशुपालन) के रूप म नियुक्त करते हैं।

> एस० के० ग्रग्निहोत्री, उप स**चिव**

कार्मिक स्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन स्रकादमी मसुरी, दिनांक 15 स्रप्रैल 1978

सं० 2/46/75-ई० एस० टी० — इस कार्यालय की श्रिधि-सूचना संख्या 2/46/75-ई० एस० टी० दिनांक 13-2-1978 के संबंध में निदेशक महोदय श्री कैलाशचन्द्र सक्सेना को पुस्तकालया-ध्यक्ष के पद पर दिनांक 15/4/1978 से श्रागामी छः मास के लिए सहर्ष तवर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। यदि इस श्रवधि में इस पद की श्रवश्रति सरकार द्वारा हो गई तो यह नियुक्ति उसी समय तक मानी जायेगी।

> ह० च० शाह, उपनिदेशक (वरिष्ठ)

# केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, विनांक 18 ग्रग्रैस, 1978

सं० ए०-2/6 ई-प्रशासन-5 — इंडो बर्मा पैट्रोलियम कम्पनी लि० में मुख्य सतर्कता श्रिष्ठकारी / सलाहकार (सतर्कता एवं सुरक्षा) के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, श्री ए० बी० चौधरी, भारतीय पुलिस स्वा (पश्चिम बंगाल) को दिनांक 29-3-78 के पूर्वाह्म से संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

#### दिनांक 19 म्रप्रैल 1978

सं० डी०-7/73-प्रशासन -5 — श्री डी० श्राचार्य, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर-प्रदेश) ने दिनांक 1-4-78 के पूर्वाह्म में सहायक पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, समन्वय प्रभाग के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए० 19021/5/75-प्रशासन-5 —श्री श्रार० पद्म-नाभन , भारतीय पुलिस सेवा (केरल) ने दिनांक 5-4-78 के ग्रपराह्म में पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो, श्राधिक श्रपराध स्कंध, बम्बई के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सोंप दी गई हैं।

#### दिनांक 24 भ्रप्रैल 1978

सं० 19021/3/78-प्रशासन -5 ---राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से श्री एस० के० झा, भारतीय पुलिस सेवा (1961-आसाम तथा भेषालय) को दिनांक 12-4-78 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना , में प्रतिनियुक्ति कि आधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19021/4/78-प्रकार 5 — राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री पी० एस० हूरा, भारतीय पुलिस सेवा ( 1962-पंजाब ) को दिनांक 13-4-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना ) में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० O.II-1046/76-स्थापना — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर कोशी एयापन, तदर्थ रूप में नियुक्त चिकित्सा अधिकारी, बेस हास्पीटल-II हैदराबाद, का त्याग-पत्न दिनांक 31-3-78 अपराह्म से स्वीकृत कर लिया।

सं० O.II-1085/78-स्थापना — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमिति) रेना क्यामा को, 1-4-1978 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये, श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल म कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के**० बन्धोपाध्याय** सहायक निदेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई विस्ली-110024, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० ई०-16013 (1) /3/75-कार्मिक — दिल्ली प्रशासन के अन्तर्गत पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त होने पर, श्री इन्द्र भगत नेगी, भारतीय पुलिस सेवा (उ० प्र०-1958) ने 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से के० भ्री० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### विनांक 6 प्रप्रैल 78

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक —प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, श्री बी० आर० ल्थरा, आई० पी० एस० (म० प्र०-1960), ने 24 मार्च 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के उप महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

#### दिनांक 13 ग्रप्रैल 1978

सं० ई० 38013 (3) /1/78-कार्मिक — न्यू जलपायगुडी से स्थानांतरण होने पर, श्री श्रार० सी० कालिया के स्थान पर श्री जे० एल० शर्मा ने 27 मार्च, 1978 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० वर््ब्यास परियोजना , तलवाड़ा के सहायक कासंडेंट के

पद का कार्यभार संस्थाल लिया श्रौर श्री श्रार० सी० कालिया ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

## दिनांक 18 मप्रैल 1978

सं० ई०-38013 (3) / 1/78-कार्मिक — कुबेमुख को स्थानांतरण होने पर श्री के० ए० बोलिप्पा ने 20 फरवरी, 1978 के प्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट मद्रास पोर्ट ट्रस्ट मद्रास के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक — स्थानान्तरण पर, श्री सी० एस० वरदाराजा ने 17 मार्च, 1978 के पूर्वा-हन् से कें ग्री० सु० व० यूनिट एम० पी० टी० मद्रास के सहायक कमां डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> रा० च० गोपाल, महानिरीक्षक के० श्रौ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली 1 1 0 0 1 1, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० 11/5/77० प्रशा०-I राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की, उनमें से प्रत्येक के नाम के समक्ष दिशात जनगणना कार्य निदेशालयों में, सहायक, निदेशक, जनगणना कार्य तकनीकी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को तारीख 1 मार्च, 1978 से तारीख 31 मार्च, 1978 तक एक महीने की श्रीर श्रवधि के लिए या श्रगले श्रादेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्र० सं० ग्रधिकारी का जनगणना मुख्या- पिछली मंजूरी नाम कार्य लय का संदर्भ निदेशालय

1. श्री बी० सत्यनारायण कर्नाटक बंगलौर 11/5/77 प्रशा०-I तारोख

10-2-1978 I

2. श्री एस० जयशंकर केरल त्रिवेन्द्रम 11/5/77- प्रशा०-I तारीख

10-2-1978

बद्री नाथ भारत के उप-महापंजीकार ओर भारत सरकार के पन्नेन उप सिचव

श्रम मंत्रालय (श्रम म्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 11 मई 1978

सं • 23/3/78-सी • पी ॰ आई——मार्च 1978 में जीव्योगिक श्रमिकों का अखिष भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूथकांक आधार 1960-100 फरवरी, 1978 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 321 (तीन सी इक्कीस) रहा । मार्च 1978 मास का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 390 (तीन सी नवें) आता है।

क्रिभुवन सिंह उप-निषेशक वित्त मंत्रालय (श्रर्थं विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० 104/एम् — श्री डी० पी० जांबोटकर, मुब्रांक पुर्ति अधिकारी, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड, श्रपनी अधिवर्षता प्राप्त करने पर 31-3-78 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हुये हैं।

डी० सी० मुखर्जी महाप्रबंधक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद, दिनांक 21 ग्रप्रैल 1978

सं० 7 (36)/703 — इस कार्यालय की श्रिधिसूचना क० 7(36) 8928 दिनांक 4/2/78 के श्रागे श्री एस० टी० सरसट तदर्थ श्राधार पर 1/4/78 से 3 महीने तक की श्रीर श्रवधि श्रथवा इस पद के निमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, श्रग्निशमन श्रिधकारी के पद पर कार्य करने की श्रनुमित दी जाती है।

ण० रा०. पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परौक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली 110002, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

कर प्रशासन-1 / कार ग्रार संर 757/प्रमोशन/77-78/ 2861 — महालेखाकार, इस कार्यालय के श्री बाबूराम स्थायी श्रनुभाग प्रधिकारी को श्रगले ग्रादेश दिये जाने तक 29 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से रुर 840-1200 के वेतनमान में लेखाधिकारी के रूप में स्थानापन्न हेतु नियुक्त करते हैं।

> के० एच० छाया वरि० उप-महालेखाकार (प्रशासन )

कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

कार्यालय ग्रादेश सं० प्र० 1/10 — भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक श्री पी० एन० भाटिया, लेखा ग्रधिकारी के हिन्दु-स्तान पेपर निगम लिमिटेड में स्थायी समावेशन हेतु दिनांक 26 मई 1976 (पूर्वाङ्क ) से सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। केन्द्रीय सिविल (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के श्रनुसार वे भारत सरकार की सेवा से हिन्दुस्तान पेपर निगम लिमिटेड में स्थायी समावेशन की तिथि से सेवा निवृत्त हुये समझे जाते हैं।

के० पी० रंगास्वामी महालेखाकार रक्षा मंत्रालय

# भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरियां श्रधिसूचना कलकत्ता, दिनांक 13 श्रप्रैल 1978

सं० 3/78/ए० / एम०—वार्धक्य निवृत्ति स्रायु (स्रर्थात् 58 वर्ष एवं 2 वर्षों की वृद्धि ) प्राप्त कर, डा०बी०बी० कर, स्थायी सहायक चिकित्सा स्रधिकारी, स्रार्डनैन्स फैक्टरी कानपुर, दिनांक 28-2-1978 (स्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

ब्रिगेडियर पी० एन० विखा निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं कृते महानिदेशक, ग्राडनेन्स फैक्टरियां

भारतीय म्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरियां, कलकत्ता, दिनांक 13 म्रप्रैल 1978

सं ० 14—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री वी ० ई० पी ० नायर, मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक दिनांक 30 सितम्बर, 1977 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 17 ग्रप्रैल 1978

सं० 15/78/जी०—58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर, श्री एस० के० घोष, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-1-1978 ( श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं ० 16/78/जी ० — 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त कर, श्री बी ० के ० घोष, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक ( मौलिक एवं स्थायी फोरमैन ) दिनांक 31-1-1978 ( श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 88 / 78/जी० — 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर, श्री श्रार० टी० जाभ्रोकर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन ) दिनांक 31-12-1977 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 89/ 78/ जी०—58 वर्ष की श्रायु, प्राप्तकर, श्री एस० सी० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (भौलिक सहायक स्टोर होल्डर) दिनांक 31-12-1977 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक स्रार्डनैन्स फैक्टरियां

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रप्रैल 1978 ग्रायात एवं निर्यात क्यापार नियंत्रण

सं ० 6/730/64/प्रणासन (राज०) 2959 स्थापना — संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति के कार्यालय, कलकत्ता के श्री क० सी ० श्राचार्य, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी-2 केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर ) को 28-2-1978 ( प्रपराह्म) से सेवा से हटा दिया गया है।

> का० वें० शेषादि म<mark>र</mark>ुय नियंत्रक श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग पटसन श्रायुक्त का कार्यालय कलकता दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० जूट (ए०) /147/65—श्री के० पी० दास के अवकाण जाने पर पटसन आयुक्त एतद्द्वारा श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक ( अतकनीकी ) के इस कार्यालय में एक तदर्थ स्थानापक ग्रुप "बी०" ( राजपितत ) सहायक निदेशक ( निर्यात) की हैसियत में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०- 40-1200/ के वेतनमान में नियुक्ति की अवधि दिनांक 18-4-78 (पूर्वाह्म) से 29-4-78 तक बड़ाते हैं।

के० के० **बनर्जी** प्रशासनिक भ्रधिकारी

# विस्फोटक सामग्री विभाग नागपुर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1978

सं० ई०-II(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के श्रिधसूचना सं० ई०-II(7) में श्रेणी 3-प्रभाग 1 के श्रधीन "सालिपिफ" प्रविष्टि में 31 मार्च, 1978 श्रंक व शब्दों के स्थान पर 30 सितम्बर, 1978 श्रंक व शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

सं०-ई-II-(7)—-इस विभाग के 11 जुलाई 1969 के श्रिधसूचना सं० ई-II(7) में श्रेणी 6, भाग 3, के श्रधीन "प्रस्फोटक रिलेज" शब्दो के पश्चात "प्रस्फोटक रिलेज- पीटी" शब्द जोड़े जायें।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

# पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय (प्रशासन स्ननुभाग-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अप्रैल 1978

सं० प्र०-1/1(419)/IV—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) श्री श्रार० सी० छाबड़ा को दिनांक 21 मार्च, 1978 के श्रपराह्न से सथा आगामी श्रावेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(470)—श्री डी० ध्रार० नागपाल ने उप निवेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) के पद पर अवनित होने पर दिनांक 21 मार्च, 1978 के श्रपराह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) का पदभार छोड दिया ।

सं० प्र० 1/1(585)—श्वी वी० एस० चावला ने उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रप ए के ग्रेड-II) के पद पर श्रवनित होने पर दिनांक 21 मार्च 1978 के श्रपराह्स सं पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) का पद भार छोड़ दिया।

#### दिनांक 22 ग्रप्रैल 1978

सं० प्र०-1/1(655)/III—राष्ट्रपति, श्री ए० के० कल्याणरामन जो दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 9 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से तथा ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त करने हैं।

सं० प्र-1/1 (664)-1I—-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय , नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप एके ग्रंड-II) श्री ग्रार० जी० बदलानी को दिनांक 21 मार्च, 1978 के ग्रंपराह्म से इसी महनिदेशालय , नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा , ग्रुप एके ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 24 श्रप्रैल, 1978

सं० प्र-1/1(1120)/—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन (ग्रेड-II) श्री जे०सी० भट्टाचारजी दिनांक 31 मार्च, 1978 के अपराह्म से निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

# (प्रशासन शाखा-6) दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० ए-17011/136/78-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (धातु) श्री मंगत सिंह को दिनांक 13 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के श्रधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु) भिलाई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सङ ए 17011/138/78-प्र-6----गहानिदेशक, पूर्ति नथा निपटान निदेशक, पूर्ति तथा निपटान बम्बई के कार्यालय में स्थायी भंडार परीक्षक (परिमापन) ग्राौर स्थानापन्न ग्रवर क्षेत्र ग्रिधकारी श्री ए० के० चटर्जी को दिनांक 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय, में सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (धातु रसायन) के पद पर पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) इस्ते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1978

सं० 2765/बी/16/71/19ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ग्राधीक्षक (हिन्दी) श्री बलराज गर्मा को हिन्दी ग्राधिकारी के रूप में उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 23 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णास्वामी, महानिदेशक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 19 श्रप्रैल 1978

सं० ई-I-5359/913-हिन्दी—इस कार्यलय की श्रिधि-सूचना संख्या ई०-I-5297/913, हिन्दी दिनांक 1 नयम्बर 1977 के अनुक्रम में श्री रमेण कुमार चमोली हिन्दी ग्रिधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय के तदर्थ नियक्ति की श्रवधि दिनांक 30 जून, 1978 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

> के० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

# म्राकाशवाणी महानिवेशालय नई विल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० 10/117/75-स्टाफ-III—संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के श्राधार पर, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, कर्जा मंत्रालय/बिजली विभाग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर (ग्रुप 'ए' सेवा), के पद पर चुने जाने पर श्री हरीश चन्द्र, सहायक इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित श्राकाणवाणी, निनसुरा को दिनांक 11-2-78 को श्राकाणवाणी में सहायक इंजीनियर के पद से भारमुक्त किया जाता है।

## दिनांक 17 भग्नेल, 1978

सं० 10/97/77-एस-III—महा निदेशक, श्राकाशवाणी श्री एस० राजाशेकरन, को श्राकाशवाणी इम्फाल में दिनांक 27-3-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 19 श्रप्रैल, 1978

सं० 10-91-77-एस-III—-महानिदेशक, स्राकाशवाणी श्री डी० शिवाराजू को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, कटक में दिनांक 27-3-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से निसुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह, प्रशासन उप निदेशक **हते** महा निदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल, 1978

सं० 2/13/67-एस-दो— महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, श्री ए० बी० देव , हैड क्लर्क ग्राकाशवाणी, कलकत्ता को 30-3-78 (पूर्वाह्म) से ग्राकाशवाणी कृसियांग में, कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रिधकारी के पद पर, भ्रगले श्रादेशों तक, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 17 अप्रैल, 1978

सं० 2/75/61-एस-दो—महानिदेशक, भ्राकाशवाणी श्री ग्रार० के० श्रीवास्तव, लेखाकार, श्राकाशवाणी, महानिदेशालय को 31-3-78 (पूर्वाह्म) से श्राकाशवाणी, जालंधर में, श्रगले ग्रादेशों तक, प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर, स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 19 अप्रैल, 1978

सं० 3/40/63-एस-दो:--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री एम० ए० श्रारिफ, हैंड क्लर्क, क्षेत्रीय श्रभियन्ता (दक्षिण), श्राकाशवाणी, मद्रास को 20-3-78 (पूर्वाह्म) से श्राकाशवाणी कालीकट में प्रशासनिक श्रिधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं।

सी० जी० श्रीनिवासन प्रशासन उपनिदेशक कुते महानिवेशक

#### नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रप्रैल, 1978

सं० 5(26)/67-स्टाफ-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद द्वारा श्री एम० के० फडके तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, रत्नगिरि को, श्राकाशवाणी रत्नगिरि में 29-3-78 से भ्रगले भ्रादेशों तक कार्येक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> ान्द किशोर भार<sup>\*\*</sup> प्रशासन उप निदेशक **कृते** महानिदेशक

# भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 ग्रप्रैल, 1978

सं० 14/3/78-एम(टी)-स्मारक (यात्रा)—प्राचीन स्मारक, पुरातात्विक स्थल एवं प्रवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के ग्रधीन प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए में, (के० बी० सोन्दर राजन) निदेशक (स्मारक) यह निदेश जारी करता हं कि राजगिरि पर्वतीय दुर्ग, जिजी, दक्षिण ग्रारकोर जिला, तिमलनाडु स्मारकों में निम्नलिखित तिथियों में, अर्थात दिनांक 8 मई, से 17 मई, 1978 तक 10 दिनों के लिये देवी कमलाकन्तियाम्मन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश निशुक्क होगा।

के० बी० सौन्वर राजन निवेशक (स्मारक) **कृते** महानिदेशक

# दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० ए-22013/2/78-एस-2—महानिदेशक, दूरदर्शन श्री एस० पी० सिंह, जो पहले हाईपावर ट्रासमीटर, श्राकाश-वाणी, राजकोट में प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में कार्य कर रह थे, को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद मे 20 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्र) से रू० 650-1200/- के वेतनमान में श्रागे ग्रादेश होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी नियुक्स करते हैं।

सी० एल० म्रार्य, उप निदेशक (प्रशासन)

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 17 ग्राप्रैल, 1978

सं० 9-40/75-के० स० स्वा० से०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) श्रमर बीर को 23 मार्घ, 1978 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक चिकिस्सक के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

नरेन्द्र सिंह भाटिया उपनिदेशक प्रशासन

# नई विस्ली, विनांक 20 ग्राप्रैल, 1978

सं० ए० 12025/8/77-श्रौषधि—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री पी० सीथारमैय्या को 31 मार्च, 8197 पूर्वाह्न मे आगामी आदेशों तक उप श्रीविधि नियंतक (भारत) केन्द्रीय श्रीविधि उत्तरी, जोत, गाजियाबाद के कार्यालय में श्रीविधि निरीक्षक के पद पर पूर्णतया श्रस्थायी रूप में नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठीस्कर, ग्रीषधि नियंत्रक (भारत)

# नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० ए० 12025/8/77-स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुरजीत कुमार सरकार को 27 मार्च, 1978 पूर्वाह्स से सरकारी चिकित्सा भण्डार, डीपू कलकत्ता में केमिस्ट (ग्रुप-बी श्रराजपद्गित) के पद पर नियुक्त किया है।

संगप्त सिंह, उप निदेशक प्रशासन

# दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 22 श्रप्रल, 1978

सं० 3-24/77-स्था० (विशेष) — श्री वी० डी० कोछड़ की तदर्थ नियुक्ति विल्ली दुग्ध योजना में प्रशासन श्रधिकारी (ग्रुप 'बी' राजपित्रत) के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000 द० रो० -40-1200 में श्री डी० सी० बिदानी, प्रशासन श्रधिकारी के श्रवकाश पर जाने से रिक्त पद पर दिनांक 14-4-78 से 29-4-78 तक और बढाई जाती है।

जितेन्द्र कुमार ग्ररोरा, ग्रध्यक्ष

# परमाणु ऊर्जा विभाग क्रम श्रौर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, विनांक 14 श्रप्रैल 1978

सं० क० भ० नि० 23 4 77 संस्थापन—निदेशक, क्रय ग्रीर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० एस० प्रधान सहायक क्रय ग्रधिकारी को श्रवकाश स्त्रीकृत होने पर, इस निदेशालय के ग्रस्थायी क्रय सहायक श्री जेठी वजीर चन्द को तदर्थ रूप से सहायक क्रय ग्रधिकारी के पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रय में दिनांक 10-4-78 से 20-5-78 तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० क० भ० ति० 23/4/77/संस्थापन 11709—निदेशक, कय श्रीर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० कृष्णन्, सहायक क्रय श्रीधकारी को श्रवकाश स्वीकृत होने पर, इस निदेशालय के श्रस्थायी क्रय सहायक श्री वौष्यनौर विजयन् को तदर्थ रूप से सहायक क्रय श्रीधकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो से-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनकम में दिनांक 21-2-1978 से 23-3-1978 तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

मं० क० भ० नि० 23/4/77/संस्थापन 11742-निदेशक, क्रय भंडार परमाणु, ऊर्जा विभाग, श्री एस० एस० प्रधान सहायक क्रय श्रधकारी को श्रवकाश स्वीकृत होने पर, इस निदेशालय के श्रस्थायी क्रय सहायक श्री जेठी वजीर चन्द को तदर्थ रूप से सहायक क्रय श्रधिकारी के पद पर, ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 10-4-78 से 20-5-78 तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 18 श्रप्रैल, 1978

> बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

# मद्रास-600 006, दिनांक 10 अप्रैल 1978

संदर्भ: एम० भ्रार० पी० यू० 200(19): 78-प्रशा० — ऋय एवं भंडार निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपन्कम स्थित भंडार एकक के एक स्थानापन भंडारी श्री ग्रार० नारायणन को, 15 मार्च 1978 के पूर्वाह्म से 6 मई, 1978 तक के लिए उसी एकक में सहायक भंडार श्रिथकारी के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

्रस० रंगाचारी क्य प्रधिकारी

# नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनांक 17 श्रप्रैल 1978 श्रादेश

सं० ना ई स/प्रणा०-5/20/539—जबिन यह धारोपित है कि श्री भोहस्मय श्रब्दुल कादर, कारीगर 'सी' एम० ई० एस० के रूप में काम करते हुए ड्यूटी से बिना किसी पूर्व धनुमित या बिना किसी सूचना के 6-8-1977 से धनुपस्थित है तथा इस प्रकार से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 39(5) के साथ में पैरा 34 के श्रयों में बुरी हरकत की है,

श्रीर जब कि उक्त श्री कादर को उनके विरुद्ध लगाये गये श्रारोपों की सूचना ज्ञापन सं० ना०ई०स०/प्रणा०-5/20/3504, दिनांक 27-11-1977 के द्वारा भेज दी गई थी जिसमें उन्हें, उनके विरुद्ध प्रस्तावित कार्यवाही के खिलाफ उक्त ज्ञापन मिलने की तारीख से 7 दिनों की श्रविध के भीतर प्रतिनिधित्य करने का मौका दिया गया था।

ग्रौर जब कि उक्त ज्ञापन टिप्पणी "ग्रासामी शहर में नहीं" के साथ डाक प्रधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए ही वापिस लौटा दिया गया.

श्रौर जब कि ना०ई०स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 41.2 (ii) के मृताबिक, श्रादेश सं० ना०ई०स० /प्रणा०-5/20/89-90 दिनांक 8-11-1978 के द्वारा जांच श्रायोजित करने के लिये एक जांच समिति गठित की गई,

श्रीर अबिक जांच श्रधिकारी द्वारा उक्त श्री कादर की 22-1-1978 को हाजिर होने की सूचना, जो सं० ना०ई०स० प्रशा-5/प्राई० प्रार० ग्रो०/241-12, दिनांक 9-1-1978 के द्वारा भेजी गई थी, टिप्पणी "लगातार मनुपस्थित-सात दिन" के साथ बिना वितरित किये वापिस लौटा दी गई.

स्रोर अब कि जांच कार्यवाही एक तरफा प्री हुई,

भीर जबकि उक्त श्री कादर के खिलाफ श्रारोपों को सिद्ध करते हुए जांच श्रधिकारी ने 27-1-1978 को जांच रपट दाखिल की,

ग्रौर जब कि उक्त श्री कादर को यह पूछते हुए कि क्यों न उन्हें सेवा से प्रलग कर दिया जाये एक कारण बताग्री सुचना सं ना ० ई ० स ० / प्रशा - 5/20/393, दिनां क 16-3-1978 जारी की गई।

भौर जबिक उक्त कारण बताओ सूचना, डाक श्रधिका-रिम्रों द्वारा टिप्पणी "कोई मासामी नहीं है" के साथ बिना वितरित किये वापिस लौटा दी गई,

ग्रौर जबकि निम्न हस्ताक्षर कर्ता इस बात से सतुष्ट हैं कि उक्त श्री कादर ने श्रीनिश्चित श्रवधि तक बिना किसी पूर्व श्रनुमति या बिना किसी सूचना के श्रनुपस्थित रह कर बहुत बुरी हरकत की ह, ग्रीर इसीलिए, वे सेवा में बने रहने योग्य व्यक्ति नहीं हैं,

श्रव, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना०ई०स० के स्थायी मादेशों के पैरा 41 व पैरा 43 तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 28(1)/68-प्रशा०, दिनांक 8-12-1970 के श्रन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री कादर को इससे सेवा से तत्काल प्रभाव से भ्रलग करते हैं।

> हरिश्चन्द्र कटियार उप मुख्य कार्यपालक

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना कोटा, दिनांक 14 श्रप्रैल 1978

सं रा० प० वि० प/4627/1(353)/78/प्रशा०/स्थल/ 421--राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी ड्राफ्टसमैन 'सी' ग्रीर स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० श्री ताज मोहम्मद ने नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग, डा० नरौरा, जिला-बुलन्द गहर

(उतर प्रदेश) में स्थानान्तरित होने पर, ग्रपने पद का कार्यभार दिनांक 12 सितम्बर, 1977 (श्रपराह्न ) को छोड दिया।

> गोपाल सिंह, प्रणासन अधिकारी (स्था०)

# परमाण खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 20 श्रप्रैल 1978

सं० ए० एम० डी०-1/28/77/प्रशासन--परमाण खनिज प्रभाग के निदेशक श्री कमल कुमार चटर्जी, को 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाक्क से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन. वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकरी,

# भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 19 श्रप्रैल 1978 सं० ग्रं० उ० के०/स्था०/संचार/एम० सी० एस०डी०/5/78---भन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री वीरेन्द्र कुमार जैन को

इंजीनियरिंग एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप से ग्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय ग्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन के ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 13 मार्च, 1978 से म्रागामी म्रादेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर, प्रधान, कार्मिक श्रीर सामान्य प्रशासन

# महानिदेशक, नागर विमानन का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० ए० 31014/1/77-ई०सी०--महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित श्रधिकारियों के नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में दिनांक 1-3-78 से सहायक तकनीकी प्रधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियक्त किया ह:--

- 1. श्री जी० भ्रार० वर्मा
- 2. श्री म्रार० बी० राव
- 3. श्रीपी० माणिकम
- 4. श्री एम० एस० ग्रदैकलम
- 5. श्री ग्रार० जी० राव
- 6. श्री पी०पी० के० पिल्लै
- 7. श्री एम० जी० स्दर्शन
- 8. श्री श्रो०पी० भल्ला
- 9. श्री एन० एस० खैरा
- 10. श्री जै० के० घोपडा

विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन ग्रम्बई के श्री ग्रो०पी० बी० मिनोचा, संचार सहायक को दिनांक 27 मार्च, 1978 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधार पर सहायक मंचार श्रिष्ठकारी के स्प में नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें श्री के॰ गोपालकृष्णन, महायक संचार श्रिष्ठकारी जिन्हें 1-3-78 से 115 दिन की श्रिजत छुट्टियां उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

## दिनांक, 22 ग्रप्रैल 1978

सं० ए-32013/10/76-ई० सी०--राष्ट्रपति ने तदर्थ प्राधार पर तकनीकी श्रधिकारी के रूप में कार्यरत निम्नलिखित सहायक तकनीकी श्रधिकारियों को दिनांक 26-11-77 (पूर्वाह्म) से भौर अन्य श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित श्राधार पर तकनीकी श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है, श्रीर उन्हें प्रस्थेक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेगन
1. श्री	,	त्रैमानिक संभारस्टेशन, पालम
2. श्री	। एस० सी० दुरेजा	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम

सत्य देव शर्मा, उप-निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैल 1978

सं० ए-32013/9/77-ई०- — राष्ट्रपति ने श्री पी० श्रार० जन्द्रशेखर उप-निदेशक श्रनुसंधान तथा विकास की दिनांक 1 मार्च, 1978 से 29 श्रप्रैले, 1978 तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ श्राधार पर निदेशक, श्रनुसंधान एवं विकास के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेस चन्व जैन, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

#### नई दिल्ली, दिनांक 19 ग्राप्रैल 1978

सं० ए-32013/3/77-ई०ए०—राष्ट्रपति, ने श्री एम० पी० जैन, को नागर विमानन विभाग में दिनांक 1-4-78 से श्रीर श्रन्य श्रावेश होने तक स्थानापन्न रूप से विमान क्षेत्र श्रीधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री जैन को सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सं० ए-32013/5/77-ई०ए०—-राष्ट्रपति ने श्री ए० बी० श्रानन्द, विमानक्षेत्र श्रधिकारी, जो इस समय भारत श्रन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, प्राधिकरण मद्रास एयरपोर्ट में प्रतिनियुक्ति पर है, को दिनांक 5 नघम्बर, 1977 से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक वरिष्ठ विमानक्षेत्र श्रधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

#### बम्बर्ट, दिगांवः 18 श्रप्रैल 1978

सं 0 1/98/78 स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् झरा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री जी० एस० चट्टवाल, को एक श्रत्पकालिक रिक्त स्थान पर दिनांक 11-4-77 से 1-7-77 तक (दोनों दिन समेत) उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयन्ता नियुक्त करते हैं।

सं 0 1/455/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतप्द्वारा देहरा दून, शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एम० डी० गर्ग को एक ग्रन्पकालिक रिक्त स्थान पर दिनांक 31-1-78 से 11-3-78 तक (दोनों दिन समेत) उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयन्ता नियुक्त करते हैं।

> एस० एस० कृष्णस्वामी, प्रशासन भ्रधिकारी कृसे महानिदेशक

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समहतलिय कानपूर, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० 5/78—श्री एस० एम० सिन्हा, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क वर्ग ख, वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर भपनी पदोन्नित के फलस्वरूप देखिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22-ई० टी०/78/44, दिनांक 9-1-1978 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-1978 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क अधीक्षक (तकनीकी) कानपुर (मु०) के पद का काभार दिनांक 16-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया ।

सं० 6/78—श्री श्रार० एन० माथुर, पुष्ट अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादशुल्क वर्ग ख आगरा ने, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ग्रागरा के पद का कार्यभार दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) को श्री डी॰ एम० कक्कड़ श्रधीक्षक वर्ग ख ग्रागरा को सौप दिया श्रीर श्रधिविधता की श्रायु प्राप्ति होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत हो गये।

सं० 7/78—श्री एम० एल० हाण्डा, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ने, प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क वर्गख वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर प्रपनी पद्मोन्नति के फलस्वरूप—देखिये दस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-12-ए० टी०/78/44, दिनांक 9-1-78 के प्रत्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना श्रादेश सं० 1/ए/4/1978, दिनांक 9-1-78 प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ग्रो० ग्रार० II मेरठ के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 (पूर्वाह्म) में प्रहण किया।

# दिनांक 22 भ्रप्रैल 1978

सं० 1-(हिन्दी) / 78 — केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए), नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, एतद्वारा में, कृ० प्रकाश आनन्द, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कानपुर को जिसके कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, श्रिधसूचित करता हूं।

कु० प्रकाश त्रानन्ध, समाहर्ता

# बड़ौदा, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

सं० 1/78--- ग्रहमदाबाद भण्डल-II रेंज viii:-- के केन्द्रीय उत्पादन गुरूक वर्ग "ख" ग्रधीक्षक ए० एस० श्री कापडिया निर्वेतन ग्रायुप्राप्त करने पर दिनांक 28-2-1978 के ग्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 2/78—-प्रहमदाबाद मण्डल -II रेंज V के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग "ख" प्रधीक्षक श्री श्रार० वार्ड गुप्ते निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1978 को श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 3/78—बड़ौदा मण्डल-I के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग "क" सहायक समाहर्ता श्री ए० एल० बोहरा निवर्तन ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1978 के प्रपुराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4/78 — बड़ौदा मण्डल-III के केन्द्रीय उत्पादन गुल्क वर्ग "क" सहायक समाहर्ता श्री श्राई० श्रार० देसाई, निवर्तन भायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1978 के भपराह्न से सेवा निवृत हो गए हैं।

> कु० श्री दिलिपसिंहजी समाहर्ता

# पटना, विनांक 17 ग्रप्रैल 1978

मि० सं० 11 (7) 2 -स्था० 77 — संचार निदेशालय (सीमा शुक्क) नई दिल्ली के श्रादेश सं० 25 / 77 दिनांक 31 / 12 / 77, जो एफ० नं० 33 / पी० टी० / संचार ~77 / 16149 दिनांक 31 / 12 / 77 द्वारा जारी किया गया, के श्रनुसरण में स्थानान्तरण के फलस्वरूप लेफ्टिनेंट कर्नेल ( श्रवकाश प्राप्त ) एस० औहरी जो संचार पदाधिकारी के पद पर पूने समाहतिलय के श्रन्तगंत रत्निगिरि प्रमण्डल में कार्यरत थे, दिनांक 6 / 2 / 78 के पूर्व हिन में सीमा शुक्क (निवारण) समाहतीलय, पटना में संचार पदाधिकारी के रूप क्य में कार्यश्र हुए किया।

# दिनांक 24 अप्रैल 78

# भृद्धि पत्न

मि० सं० 11 (7)-1-स्था० | 77 | 4434 — इस कार्यालय के दिनांक 29 | 9 | 77 के श्रिधिसूचना में उल्लिखित पंक्ति "निम्निलिखित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद श्राई० ए० एस० के परीक्षाफल के श्राधार पर भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय सेवा में श्रेणी 'श्र' के रूप में नियुक्त किया गया, उपर्युक्त आदेशानुसार वे सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना में उनके नाम के सामने दिए गए तिथि से श्रधीक्षक श्रेणी 'ग्र' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया "के स्थान पर कृपया इस प्रकार पढ़ा जाये "निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद श्राई० ए० एस० के परीक्षाफल के श्राधार पर भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद सेवा में श्रेणी 'श्र' के रूप में नियुक्त किया गया, उपयुक्त श्रादेशानुसार वे केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तालय, पटना में उनके नाम के सामने दिए गए तिथि से श्रधीक्षक श्रेणी 'श्र' के रूप में कार्यभार ग्रहण किए।

॰ अपठनीय, समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रप्रैंल 1978

सं० 1/ 1978 --श्री बी० डी० कंचागर, रसायन सहयक ग्रंड-1, सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई को दिनांक 10 मई, 1977 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्रावीजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 2 / 1978 — श्री सी० के० विस्वानाथन, रसायन सहायक ग्रेड-1 केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 को दिनांक 18-5-77 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में रसायन सहायक परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से (प्रोविजनली) नियुक्त किया गया है।

सं० 3/1978 — श्री एस० के० प्रसाद, सिंह, रसायन सहायक ग्रेड-1 राजकीय प्रफीम व क्षाराभ कारखाना, प्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर को दिनांक 29-5-77 (पू०) से प्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 4/1978—श्री डी० के० बन्सल, रसायन सहायक ग्रेड-1 राजकीय अफीम व क्षाराभ कारखाना, श्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर कवे दिनांक 30-5-77 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों जारी होने तक केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण श्रयोगशाला, नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक केपद पर सामयिक (श्रीविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है। मं० 5/1978:—श्री एस० जी० देसाई, रसायन सहायक ग्रेड-1 के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, एच० पी० सी० एल० दोम्बे को दिनांक 31-5-77 (पू०) से श्रागामी श्र देशों के जारी होने तक नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर मामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 6/1978 — श्री यू० सी० सेठ, रसायन सहायक ग्रेड-1, राजकीय प्रफीम व क्षाराभ कारखाना, ग्रन्डरटेकिंग, गार्ज पुर को दनांक 31-5-77 (पू०) से ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगणाला मे सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामियक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 7/1978:—-श्री माई० टी० देसाई, रसायन सहायक ग्रेड-1, नवीन सीमाणुल्क गृह प्रयोगणाला, बम्बई को दिनाक 31-5-77 (पू०) से भ्रागामी भ्रादेणों तक के जारी होने तक नर्व.न केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगणाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 8/1978—श्री एल० बी० कांडेकर रसायन सहायक ग्रेड-1, नवीन मीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला बम्बई को दिनांक 31-5-77 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक नबीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामियक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० १ | 1978 -- श्री के० एल० वर्मा रसायन सहायक ग्रेड- । राजकीय श्रफीम व क्षाराभ कारखाना, ग्रन्डरटेविंग, गाजीपुर को दिनाक 31-5-1977 से 16-6-1977 तक श्रीमती वत्सला वैकटेशन सहायक रसायन परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 के छुट्ट चले जाने पर रिक्त हुए स्थान पर स्थानापन्न रूप से सहायक रसायन परीक्षक के पद पर पदान्नति की गई है । उन्ह फिर दिनाक 17-6-1977(पू०) से ग्रागमी ग्रादेशों के जा होने तक केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) के रूप से नियंत्रल किया गया है ।

सं० 10/1978—स्थानान्तित्त होने पर श्री डी० के० मजूमदार, सहायक रसायन परीक्षक राजकीय श्रफीम व क्षाराभ कारखाना, श्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर ने दिनांक 4-6-1977 (पू०) से सीमाणुल्क गृह प्रयोगणाला, जलकत्ता में उसी क्षमता से श्रागामी श्रादेशा के जारी होने तक कार्य भार सभाल लिया है।

स० 11/1978—स्थानान्तरित होने पर श्री एस० बी० सिह, महायक रसायन परीक्षक, राजकीय श्रफीम व क्षाराभ कारखाना, श्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर ने दिनाक 8-6-1977 (पू०) से नवीन सीमाशुल्क गृह श्रयोगशाला, बम्बर्डमें उमी क्षमता से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक कार्यभार सभाव लिया है।

सं ० 12/1978--स्थानान्तरित होने पर कुमारी एस • ए० सरोजा, सहायक रसायन परीक्षक केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण

प्रयोगणाला, नई दिल्ली ने दिनांक 29-6-1977 (पू०) में से सीमाणुल्क गृह प्रयोगणाला, मद्रास में उसी क्षमता से आगामी म्रादेशों के जारी होने तक कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 13/1978—कुमारी बी० सारदा, रसायन सहायक ग्रेड-I, सीमा णुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्वास को दिनांक 29-6-1977 (पू०) से ध्रागामी ध्रादेशों के जारी होने सक नवीन सीमाणुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनक) रूप से नियुद्ध विया गया है।

सं० 14/1978—स्थानान्तरित होने पर श्री बी० के० जोशी, सहायक रसायन परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोग-शाला, नई दिल्ली ने दिनांक 14-7-1977 (पू०) से सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्रास में उसी क्षमता से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 15/1978---श्री दीपक राय चौधरी, रसायन सहायक ग्रेड-I, डिगबोर्ड (ग्रासाम) को दिनांक 19-7-1977 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामधिक रूप से (प्रावीजनली) नियुक्त किया गया है।

सं० 16/1978—श्री टी० एस० भरतराजन, रसायन सहायक ग्रेड-I, क्षेत्रीय प्रयोगमाला, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क, बरोदा को दिनांक 31-10-1977 (पू०) से म्रागामी मादेगों के जारी होने तक नवीन उत्पादन मुल्क प्रयोगमाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 17/1978—श्री बी० एन० राय, नसायन सहायव ग्रेड-I, राजकीय ग्रफीम व क्षाराभ कारखाना ग्रन्डरटेविंग, गाजीपुर को विनांक 9-1-1978 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 18/1978—श्री चक्रधर दुवेदी, रसायन सहायक ग्रेड-I, राजकीय व क्षाराभ कारखाना, श्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर को दिनांक 10-1-1978 (पू०) में श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त विया गया है।

सं० 19/1978---श्री श्रार० एस० मलहोत्ना, रसायन सह।यक ग्रेड-I, केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में दिनांक 30-1-1978 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक नवीन सीमा णुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में सह।यक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 20/1978—श्री श्रार० एस० धाम, रसायन सहायक ग्रेड-I, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगणाला नई दिल्ली को दिनाक 6-2-1978 से 9-3-1978 तक श्रीमती वत्सला वेंकटेशन सहायक रसायन परीक्षक के छुट्टी चले जाने पर रिक्त हुए स्थान पर स्थापन्न स्थानापन्न रूप से उसी प्रयोगणाला में सहायक रसायन परीक्षक के पर पर नियुक्त किया गमा है।

सं021/1978—श्री बी० बी० श्रप्रवाल, रसायन सहायक ग्रेड-I, राजकीय श्रफीम व क्षाराभ कारखाना श्रन्डरटेकिंग, नीमच को दिनांक 8-2-1978 (पू०) से श्रगमी श्रादेशों के जारी होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बरोदा में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया ।

सं० 22/1978—श्री सत्यपाल, रसायन सहायक ग्रेड-I, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगणाला, नई दिल्ली को दिनांक 20-2-1978 (पू०) से ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगणाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 23/1978—स्थानान्तरित होने पर श्री बी० पी० पांडे, सहायक रसायन परीक्षक केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाका नई दिल्ली ने दिनांक 27-2-1978 (पू०) से नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में उसी क्षमता से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक कार्यभार संभाल लिया है।

(ह०) अपठनीय उप मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्य

## नौवहन श्रौर परिवहन मंत्रालय

# नव तूतीकोरिन पत्तन

तूतीकोरिन-628004, दिनांक 29 मार्च 1978

सं० 6/6/78-प्रणा०—मुख्य इंजीनियर श्रीर प्रणासक, नव तृतीकोरिन पत्तन श्री ए० एस० विश्वनाथन, सहायक सिच्य, तृतीकोरिन पत्तन न्यास को 6 मार्च 1978 की श्रपराह्न से और श्रादेश होने तक के लिए प्रतिनियुक्ति की शर्ती पर २० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-1040 के वेतनमान में नव तृतीकोरिन पत्तन में सहायक सिच्य नियुक्त करते हैं।

डी० श्राई० पाल, मुख्य इंजीनियर श्रौर प्रशासक

#### नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1978

सं० 19/42/78-न० ज० वि० त्या०--सचिव, नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण, श्री मेहंगा राम सेवक, केन्द्रीय सचिवालय की प्राणुलिपिक सेवा के सिंचाई श्रीर विद्युत केंडर के विरुद्ध व्यक्तिक सहायक की, प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न क्षमता में 1 अप्रैल 1978 के पूर्वाह्न से श्रीग्रम श्रादेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

सुनील जुमार चण्या, प्रणामनिक अधिकारी

#### केन्द्रीय जल आयोग

#### नई दिल्ली-22, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० 5(भाग-2)—िविभागीय पदोन्निति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिश पर श्रम्थक्ष केन्द्रीय जल आयोग, निम्निलिखित श्रिधिकारियों को जो इस समय श्रितिरिक्त सहायक निशदेक/सहायक श्रभियंता की श्रेणी में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, रु० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से स्थानापन्न रूप में नियमित तौर पर नियुक्त करते हैं :—

<b>新</b> り ぜっ	ग्रधिकारी का नाम	स्थायी तौर पर नियुक्ति की तिथि
1.	श्री जम्पा जय राजू	19-9-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० ए० श्रौसफ	2-2-78 (पूर्वाह्म)
3.	श्री पी० कुन्हग्रहमद	10-1-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री के० के० राजन	4-10-78 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एस० पी० प्रुथी	12-8-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री ए० के० गुहा	3-6-77 (पूर्वाह्न)
7.	श्री कंवल सिंह	3-6-77 (पूर्वाह्म)
8.	श्री के० टी० इसरानी	3-6-77 (पूर्वाह्न)
9.	श्री एस० सी० रामरिखयानी	3-6-77 (पूर्वा <b>ह</b> )

 उपर्युक्त श्रिधकारीगण उनके सामने दी गई तिथियों से दो वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

#### दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० ए-19012/666/77-प्रमा० 5--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भायोग, श्री एन० सुब्बा राव, पर्यवेक्षक को दिनांक 24-8-77 (पूर्वाह्म) से वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पूर्णतया प्रस्थायी एवं तदर्थ भाधार पर भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में स्थानापम्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एन० सुब्बा राव ने सहायक श्रभियंता सूखा श्रध्ययन क्षेत्र वृत्त-2, हैदराबाद के श्रन्तर्गत सूखा क्षेत्र श्रध्ययन उप-प्रभाग संख्या-2, कुड्डापा में सहायक श्रभियंता के पद का कार्यभार दिनांक 24-8-77 (पूर्वाह्म) से ग्रहण कर लिया है।

> जे० के० साहा, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

# निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1978

सं ० 1/417/69-ई सी 9---राष्ट्रपति ने श्री घनश्याम दास ढटेजा, जास्तुक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग का दितांक 5-12-1977 का सेवानिवृत्ति संबंधी नोटिस स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री घनश्याम दास टेटेजा दिनांक 10-3-1978 (श्रपराह्न) से सेवा निवक्त हो गए हैं।

> कृष्ण कान्त, प्रशासन उपनिदेशक

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 6/6/78-प्र० 2—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतत् द्वारा निम्नलिखित पर्युवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इन्जीनियरी, श्रेणी-2 सेवा मे श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रिभयन्ता के ग्रेड मे उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से श्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।:---

1. श्री वेद प्रकाश

10-2-78

2. श्री विक्रम जीत सिह

13-2-78

सतोष विश्वास,

ग्रवर सचिव

# पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

#### दिनाक 20 ग्रप्रैल 1978

सं० ई/55/III/91 भाग-III (O)---निम्नलिखित श्रीध-कारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक परिचालन श्रधीक्षक/ सहायक वाणिज्य श्रधीक्षक के पद पर उनके सामने लिखी गयी तारीख से स्थायी किया जाता है।

ऋम ०	 किस तारीख से
सं०	स्थायी किया गया
<del></del>	 

2. श्री डी० पी० बोस

1. श्री एच० एन० पाकाराशी

1-11-77 1-1-78

म० रा० न० मृति,

्। महाप्रबन्धक

## दक्षिण मध्य रेलवे

#### सिकन्द्राबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० पी० 185/गजट/मेक--भारतीय रेल यांब्रिक इजीनियरी सेवा (परिवीक्षाधीन) के निम्नलिखित अधिकारियों को दक्षिण मध्य रेलवे पर इस सेवा की श्रेणी-I/श्रवर वेतनमान में उनके सामने लिखी गई तारीख से स्थाई किया जाता है।:--

<b>ऋ० सं०</b>	नाम	स्थाई करने की तारीख
	~ – ~ पी० गुप्ता	21-12-1977
🤈 श्री बी० क	क्र <del>िस</del> स	11-10-1977

टी० एम० तोमस, महाप्रबन्धक

मध्य रेलवे

# वस्बई, दिनाक 17 अप्रेल, 1978

सं० एच० पी० बी/220/जी/एम--परिवहन (बिजला) एव यांत्रिक इंजीनियर विभाग के निम्नलिखित श्रेणी दो के अधिकारियों को उनके सामने दिखायी गयी तारीख से श्रेणी दो सेवा में स्थायी किया गया है:---

ऋ० सं०	नाम	स्थायीकरण की तारीख
2, श्री	व्ही० एस० श्रीवास्तव ए० एल० काले एन० सी० श्रीवास्तव	I-8-1975 21-5-1976 I-8-1976 पु० रा० पुसालकर, महाप्रबंधक

विधि, न्याय श्रोर कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और "पी० टी० टी० चिट फड एन्ड फिनास प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में ।

पाडिचेरी, दिनाक 17 अर्प्रल 1978

सं० 71—कम्पनी प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 उपधारा (5) की अनुसार एतत् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि "पी० टी० टी० चिट फंड ऐंड फिनांस प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० ग्रार० वि० वि० सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पाँडिचेरी

भारतीय कम्पनी प्रश्नितयम, 1913 श्रौर मैसर्स सिध्धपुर टेक्सटाइलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, दिनाक 18 ग्रप्रैल 1978

स० 355 लिक्वीडेशन—भारतीय कम्पनी श्रधिनियम 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स सिध्धपुर टेक्स्टाइल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो र्राजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> जे० गो० गाथा, कम्पनियां का रजिस्ट्रार गुजरात

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं दि डक्कन पब्लीसरस लिमिटेड के विषय में।

नम्पर्व दिन(क 10 स्रप्रेल 1973

स० 2708/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि इक्तन पब्लीसरस लिमिटेड के विषय में। कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि डक्कन पब्लीशर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ब्हि वाय राणे, कम्पनियों का श्रतिरिक्त राजस्ट्रार महाराष्ट्र

मैंसर्स रोडवंज एण्ड जनरल फाईनेंस प्राइवंट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के भ्रन्तर्गत नोटिस ।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 भ्रप्रेल 1978

सं० को० लिक्व०/2936/7160---माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 25-5-76 के श्रादेश से मैसर्स रोडवज एण्ड जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, श्रादेशित हुआ है।

मैसर्स एशिया उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० को० लिक्व०/1356/7337---माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 2-2-1978 के श्रादेण से मैसर्स एणिया उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, श्रादेशित हुआ है।

मैंसर्स इनकोमेकस एंटरप्राईजिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रतन्गीत नोटिस ।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० को० लिक्व०/4885/7315—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 13-12-1977 के खावेण से मैंसर्स इनकोमेकस एंटरप्राईजिज प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, खादेणित हस्रा है।

मैसर्स रामपुर फूड एण्ड कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी भ्रिधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के भ्रन्तर्गत नोटिस ।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 श्रप्रेल 1978

सं० को० लिक्व०/5161/7340——माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 29-7-1977 के श्रादेश से मैसर्स रामपुर फूड एण्ड कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, ब्रादेशित हुआ है।

> त्रार्० के० घरोड़ा, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1978

विषय—-स्थापना-राजपत्नित-पदोक्षति-श्रायकर अधिकारियों की तैनाती श्रीर स्थानांतरण ।

श्रादेश संख्या: 1/रा. श्र./1978-79—निम्नलिखित निरीक्षिकों को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में श्रायकर श्रिष्ठकारी (श्रेणी-2) के पद पर काम करने के लिए उनके इस पद का कार्यभार हण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है :---

सर्वश्री

- 1. केवल कुष्ण
- 2. किशोरी लाल तथा
- 3. के० एल० मन्डोरा।

श्री केवल कृष्ण की पदोन्नति स्पष्ट रिक्ति पर की जा रही है तथा सर्वश्री किमोरी लाल तथा के० एल० मन्डोरा की पदोन्नति सर्व श्री सी० एल० सोनी तथा पी० सी० छतवाल को निलम्बित कर दिए जाने के कारण हुई दो श्रस्थायी रिक्तियों पर की जा रही है।

श्री एस० एल० बहल को जिन्हें पहले ग्रस्थायी रिक्ति पर पदोन्नत किया गया था, श्रब नियमित रिक्ति पर पदोन्नत कर दिया गया है।

ये पदोन्नतियां दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० 652/डब्लू० 1977 के सी० डब्ल्यू० पी० 341 के अन्तिम निर्णय के भ्रधीन होगी ৮

यह स्पष्ट किया जाता है कि संबंधित श्रधिकारियों के अपने कार्य पर फिर से बापस आ जाने या पुनः बहाल कर दिए जाने पर पदोक्षत किये गये दोनों श्रधिकारियों सर्वश्री किशोरी लाल तथा के एल पन्छोरा को, यदि उस समय कोई नियमित रिक्ति नहीं हुई तो निरीक्षक के पद पर वापिस जाना पढ़ेगा।

६न पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती ग्रौर स्थानांतरण तत्काल करने के श्रादेश दिए जाते हैं:---

ऋम	ग्रधिकारी	वर्तमान	स्थानांतरण	भ्रभ्युक्ति
सं०	का नाम	तैनाती	के बाद तैनाती	r
·	सर्वेश्री			
.1. ৰ	केवल कृष्ण	पदोन्नत होने पर	उनकी सेवाएं सेवाएं भ्राय- सौंपी जाती	को
2. f	केशोरी लाल	्पदोन्नत होने पर	ा उनकी सेवा ग्रायुक्त-3 की	एं ग्रायकर ोसौंपी जाती हैं
3. व	ो• एल∘	पदोन्नत होने	भ्रायकर	श्री एच०
<b>म</b>	<b>न्¥ो</b> रा	पर		एन० नोटि- याल के स्थान पर

कंप्य न्य बुटानी, भ्रामकर श्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 3 1जनवरी 1978

निदेण सं० सीएचडी/47/77---78---श्रतः मुझे रवीद्र कंसार पठानिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 220 सैकटर 19-ए है; तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त भ्रधि-नियम के श्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उनत प्रधितियम की धारा 269 ग के धनु-सरण में, मैं, उनत प्रधितियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांतु:---

- 1. श्री रोशन लाल पुत्र श्री राम चन्द निवासी मकान नं० 1558 सैकटर 7—सी चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्री करतार सिंह पुत्र श्री राम लाल निवासी दुकान नं० 25 सब्जी मन्डी (सेकटर 26), चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### अमु सुखी

मकान नं० 220 सेकटर 19-ए चण्डीगढ़ प्लाट का कुल क्षेत्रफल 500.50 वर्ग गज ।

"सम्पत्ति जैसे के रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्रेंशन नं० 497 दिनांक 8-8-1977 में दी गई है "

> रवींद्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 31-1-1978

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निर्देण सं० सी० ए० 5/करबीर/श्रगस्त 77/354---ग्रतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- कु॰ से मिधिक है और जिसकी

सं० सी० टी० एस० क्रमांक 249/ए/1/44 है तथा जो नागला पार्क में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय करबीर कोल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-8-1977

16) के अधान विनाक 1-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई फिसी भाष की बाबत उकत आंध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/पा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी अन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर भिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिजा के लिये।

पतः मय, उक्त भिष्टित्यम की भारा 269-ग के मनूसरण में, में, उक्त भिष्टित्यम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री इंद्रसेन उत्तमराव देशमुख ईशानी जंगला, खानापूरें रोड, जेठगांव (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विक्रमसिंह जयसिंगराव घाटने ग्रीपल होटेल, कोल्हापूर (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी सी० टी० एस० क०  $249 - \frac{1}{44}$ , ई---वार्ड, नागला पार्क कोल्हापुर

(जैसे कि रेजिस्ट्रोक्टत विलेख कि 1603 दिनांक 1-8-77 को सब रेजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमति पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : ﴿19-4-78

भोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-UI, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 27 श्रप्रैल 1978

निर्देश सं० 403/एकु०२० III/78-79/कल०—-श्रतः मुझे, किशोर सेन

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के श्रिष्ठीन सक्षम श्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट 'ए' 8 तल्ला में है तथा जो 2 मन्डेभिले गार्डेनम, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 31-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिक्षितियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (भ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के अभूतरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः -- 3—66 GI/78

1. मैं॰ सेलोनी खोनारिशिष फ्लेट स्कीमस प्रा॰ लिमि॰ 6 होरिटन स्ट्रीट, कल-16 (धन्तरक)

2 श्रीमान लितका देशी. शीला चक्रवर्ती ग्रीर मनोद्र कुमार चक्रवर्ती 372/21 रसा रोड (साउथ) कल-33 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक स्वयं-सम्पूर्न फ्लेट-फ्लेट सं० 'ए', आट खलला पर— जो 2 मन्डेभिले गार्डेन्स पर अवस्थित "जय-जयन्ती" मकन मे हैं। उस फ्लेट में 3 बेट रुम, 1 लिभि रूम, घरान्डा, जालकनी और 1 नकर-घर है और उसका बयान रजिस्ट्रार आफ एसुरेसंस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1-4075/1977 का अनुसार है।

किशोर मेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III; कलकत्ता--16

दिनाक : 27-4-1978

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

1. श्री पुरुषोत्तम दास गुप्त

2. श्री दिगविजय टण्डन

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निदेश सं० 31 डी/एसीक्यू—श्रतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के झधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो कैलन पूर पर० वास्ता जिला बिजनीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्त्य चांदपुर बिजनीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह्र प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस मन्तरण लिखित

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबस, उसस अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या मन्य म्नास्तियों की जिन्हें भारतीय म्नाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-य के ग्रनुसरण में, में, जक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपध्यत्र (1) के अग्रीन निम्नलिखित स्पतियों असीत्:--- the first and make after overland to select

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहिया करता हं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरचः --इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उस्त श्रिष्ठितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में वियो गया है।

#### अमुसूची

नं० 241 मावजी 5 बीघा पूखता मि० मात बीजा पांच बिस्वे पूखता नं० खसरा दो सो इकतालिस लगानी पांच रूपया सालाना जिसमें पांच सी मुरुक्वा मीटर में एक प्रहाता पूखता पूरक सामान बना है जिसके ग्रन्दर दो हाल प्रक्ले पूरक सामने पेश सहन मय ग्रमला व मलता वगैरा जिसके ग्रन्दर 24 ग्रदद हो जाये भी बने है जिसके पूरक को सज़क पकती, पिश्चम को ग्राराजी राजेंद्र पाल सिंह दक्षिण के देवता व उत्तर के ग्राराजी बिलंडग राजेंद्र पाल सिंह है वाके ग्राम फैलन पूर परगना वास्तव जिला बिजनौर में स्थित है।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज लखनऊ

दिनों ह: 119-4-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ लखनऊ दिनांक 22 अप्रैल 1978

निदेश सं० 126-ग्रार०/एसीक्यू०---ग्रतः मुझे ग्रमर सिह विसेन

प्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मिकान व भूमि है तथा जो कैलनपूर परगना बास्ता, बिजनौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चांदपूर बिजनौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-8-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए झन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (झन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (झन्तरितयों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में क्रमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त मधिनियम को धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपमारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीत्:--

- 1. श्री प्रकाश चन्द्र गुप्ता
- (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजेंद्र पाल सिंह
- (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-तियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मवाली 215 पूखता नं खसरा 241 मि लगानी 1.50 जिसके जुज फुट चार दीवारी के अन्दर 209 वर्ग-मीटर के अन्दर एक कमरा पूखता पूर्व सामना जिसके 1/2 भाग के ऊपर 2 मंजिला व 1/2 भाग के ऊपर तीन मंजिला का है व एक कमरा पूखता दक्षिण सामना बना जिसके पूरव की सड़क सरकारी पश्चिम की आराजी पुरुषोत्तम दास गुप्ता दक्षिण म आराजी व बिल्डिंग पुरुषोत्तम दास गुप्ता व उत्तर में खेत गोबिद सिह्वाक अप्राम केलन पूर् वास्ता जिला बिजनार तथा सम्पत्त का वह सब विवरण जो सेल्डीड व फार्म 37 जी नं 2068 में विणित है तथा जो रिजस्ट्रार चांदपूर के कार्यालय में 12-8-77 (12-8-77) को दर्ज है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

दिनांनः : 22-4-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1978

निदेश सं० 80-के श्रर्जन—श्रतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन आयक्तर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिधक है,

भ्रौर जिसकी सं० 185 है जो फतेहपुर बिछुवा इलाहा--बाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई
है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर ग्रन्तरक
(भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

पनः प्रव, उक्त प्रधिनियम को घारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को घारा 269-च की उपद्वारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत :-- 1. श्रीमति सुखदेई

(ग्रन्तरक)

2. श्री कांती यादब व मालती देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लि**र** कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविधि, को भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिमा गमा है।

# अनुसभी

एक किता मकान नं० 185 जिसका क्षेत्रफल 3 वर्ग-मीटर है जिसमें दो कमरे बने हैं जो कि फतेहपुर बिछुवा जिला इलाहाबाद में स्थित है। जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी नं∙ 2650 में श्रंकित है तथा जो उप निबन्धक इलाहाबाद के कार्यालय में 28-8-77 को दर्ज है।

> श्रमर सिंह बसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 24-4-198

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 धर्मेल 1978
निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1415 (651)/
2-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० पारीख
भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्मे इसके परवात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- व्पष् से भिक है

से प्रिक्त है

प्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 36/1, बालमुकुन्द मिल्स है, जो

चीतल रोड, अमरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी

के कार्यालय, श्रमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त, 1978

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके

दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत

प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिराने में मुख्या के लिए;

जतः प्रव उक्त अवितियन की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्रीमति विजयलक्ष्मी तुलसीदास विट्ठलाणी, श्रहमदा-वास ।

पावर भ्राफ एटारनी होल्डर भ्राफ :-

- (i) श्री सुरशचन्द्र तुलसीदास तथा
- (ii) सुधावेन तुलसीदास, लिलिया रोड, रेलवे कार्सिंग के पास, श्रमरेली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री बालम्कुंद ग्रोइल मिल्स की ग्रोर से भागीदार:
- (i) श्री बाबू जगजीवन दास, सोनी, तथा श्रन्य, कनसारा बाजार, श्रमरेली
- (ii) श्री चुनी लाल कोजीभाई पटेल, मैनेजिंग भागी-दार---श्री बालमुकुंद श्राइल मिल्स, श्रमरेली। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्वविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्वविध, जो भी श्वविध बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त घछि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भवें होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक अबल सम्पति जो बालमुकुंद ग्राइल मिल्स के नाम से प्रक्रपात है तथा जिसका सर्वे नं० 36/1, कुल क्षेत्रफल 5121 वर्ग गज है तथा जो चीतल रोड, ग्रमरेली में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रगस्त 1977 वाले बिकी दस्तावेज नं० 1107 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

दिनांघा : 18-4-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्थन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23--1605(652)/16-6/77-78---प्रतः मुझे एस० सी० पारीख प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 266, नूतन नगर है, जो नूतन नगर सोसायटी, एस० टी० बस स्टेंड के पास महूवा में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महूवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या घन्त्र ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अन्न-सरण में, मैं, उत्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री मोहन लाल मानजीभाई धमरेलिया, एस० टी० बस स्टेंड के पास, महुवा। (ध्रन्तरक)
  - (i) रमणीकलाल हरगोविंददास, (ii) श्री कांतीलाल हरगोविंददास, नूतन नगर सोसायटी, महूबा। (श्रन्तरिती)

को पह् सूवना जारो करके पूर्वा∻ा संपत्ति के <mark>धर्जन क</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा
  की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध
  बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो, उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### **ग्रम्**सूची

एक ग्रजल सम्पत्ति जो 4500 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लाट नं० 266 है तथा जो नूतन नगर सोसायटी, महूबा में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 1-8-77 वाले बिकी दस्तावेज नं० 1445 में दिया गया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंण-I, भ्रहमदाबाद

**बिनांक: 22-4-78** 

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण)

# ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1606(653)/16-6/77-78---यत: मुझे एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्राधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 443-बी, प्लाट नं० 449, है, जो नालंदा सोसायटी, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है श्रीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत भन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्राक्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भ्रिधिनियम' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ध्रिधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, प्रयोत :---

- 1. (i) श्रीमति सरोजबेन रमणीकलाल, पटेल कालोनी, जामनगर,
- (ii) श्री रसीकलाल वेलजीभाई, गैलेक्षी एपार्टमेंटस, राजकोट । (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्म ग्रलका कन्स्ट्रक्शन कं०, नालंदा सोसायटी "समीर", कलावाद रोड, राजकोट । (श्रंसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तें स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हराकी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रीधनियम के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 984.8-6 धर्म गज है तथा जिसका सर्वे नं० 443-बी, प्लाट नं० 4 तथा 9 है तथा जो नालंदा सोसायटी, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-8-77 वाले बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 22-4-1978

# प्ररूप भाई । टी । एन । एस । -----

# मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 ग्राप्रैल 1978

निर्देश सं० म्न० ई०/2075-16/म्रगस्त,77—म्मतः मुझे एफ० जे० फर्नाडीज

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ॰ से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 198 है तथा जो मालाबार श्रीर कम्बाला हील डोंगरसी रोड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनायम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान दिनांक 19-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखत में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्चिनियम, या धन-कर भ्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के समीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमित श्रालू के० सर्वेयेर,
  - 2. डाक्टर फामरोध मुन्चेर्जी दाख्वाला
  - 3. फ्रामरोझ कावसणी डाक्टर
  - श्रीमति भ्रलामी जाल भार० सर्वेयेर

- 5. जेर शीयायायस खम्बाटा
- 6 खुरशेष्ठ कुरवजी चीनॉय
- 7. मर्जबन डॅडी नायगामवाला
- 8. मिस मोतामाई कावसजी डाक्टर
- 9. मिस जेर मुन्धेरजी दारुवाला
- 10. मिस पीरोजा मनचेरजी दारूबाला
- 11. डॅडी धनजीभाई नायगामवाला
- 12. वीस्पी शीयावेषस खम्बाटा
- 13. बंजन फामरोज डाक्टर
- 14. शोरीनबाई जाल ड्राइवर
- 15. श्रीमिति धुन बी० दलाल।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. सम्प्राट फूलचंद सेठ
  - 2. दुश्यंत जयन्तीलाल शाह
  - 3. महेश रमनलाल वखारीया
  - 4. श्रीमति बीलासबेन जयन्तीलाल शाह
  - 5. रजनीकांत चंदुलाल वखारिया
  - देवीचन्द सोनमल सेठ।

(म्रन्तरिती)

4. श्रीमती माडेक्र श्री नारायणलाल बी० पेंटीय और कुट्बीय

> [वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितवह है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विम की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थाक्त द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शम्बों भीर पदों का, जो जक्त भिधिनियम, के भ्रष्टमाय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनु सूची

प्रतुसूची जैपा कि विलेख नं० 639/75/बंबई उपरिजस्ट्रार प्रियाशिदारा दिनांक 19-8-1977 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नांन्डीज सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

विनांक: 15 श्रप्रेल, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ध्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त । (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक 17 भ्रप्नेल 1978

निर्देश सं० ग्र० ६०-1/2062-3/ग्रग० 77—ग्रतः मुझे एफ ० जे० फर्नान्डिज

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 587 का मालबार एंड कंबाला हिल डिबीजन है तथा जो 28 ए नेपियन्सी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीटण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-8-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या जमसे बचने में सुविधा के लिए। और/यः
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रष्टिनिणम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निचिति व्यक्तियों, प्रचीत् :—
4-66GI/78

- 1. श्री पुखराज सी० बफना, 2. श्री लायचन्द सी० बफना (ग्रन्तरक)
- 2. वि वीना हैपी होम ग्रपार्टमेंटस को० ग्राप० हाउ० सो० लि० (भन्तरिती)
- 3. सोसायटी के सबस्य (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ∤।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित है, वही धर्ष होगा; जो उस प्रभाय में दिया गया है।

#### अमुसची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 42/76/बंबई उपरिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 10-8-77 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एफ जे० फर्नान्डिज, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, संबर्ष

विनांक श्रप्रैल, ॄ1978 मोहरः

# प्ररूप बाई० टी॰ एन० गस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 ग्रप्रैल, 1978

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 762 का माला एंड कंबा० हिल डिवीजन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 19-8-1977

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में अस्तविक छा से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबन, उकन घिधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या पन्त्र पास्त्या द जिन्हें भारतीय भाय-कर घित्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घित्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के निए;

अत: ग्रज, उक्त अधिनियम की धारा 267 ग के अनुसरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- सल० के० मारकेट एंड इनवैस्टमेंट कें० प्रा० लि० (भ्रन्तरक)
- शहीषर को० ग्राप० हाउ० सो० लि० (भ्रन्तरिती)

# सूची

- 1. श्रीमति एस० डी० मेधेकर
- 2 श्रीमति एन० के० मालबी
- 3.श्री के० झवेरी
- 4. श्रीमति एम० एम० लघाटें
- श्रीमति एस० जे० शाह
- 6. श्री जे० के० पटेल,
- 7. श्री एस० जे० कोठारी
- 8. श्रीमति पी० जे० मेहता
- 9.श्री एस० बी० गेठ,
- 10. श्री जे० के० सोनावले
- 11. श्रीमज के० सी० राजवाड़े
- 12. श्री सी० के० शाह
- 13. श्री सुगंधा लघाटे
- 14. भागीवार एघ० वी० स्टोर्स
- 15. श्री के० एस० वलाल
- 16. श्री के० ए० गोडबोले
- 17. मैसर्स एस० बी० एंड कं०
- 18, श्री के० ए० भगवती
- 19. श्रीमति बी० बी० दोसी
- 20. श्रीमति डी० पी० शाह
- 21. श्री जे० एम० भाटिया,

(वह व्यक्ति जिनके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति ारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्याय 20क में परिभा-वित है, यही श्रर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 809/70/बंबई उपरजिस्ट्रार ग्रिधकारी द्वारा दिनांक 19-8-77 को रजिस्टर्ड किया गया है। एफ० जे० फर्नान्डिज

. सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बंबई

दिनांक 17 भ्र<mark>प्र</mark>ेल, 1978 मोहर : प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा दिनांक 17 श्रप्रैल, 1978

निदेश सं. ए० पी० 167/एन डबलू एस/78—79— ग्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जंडियाला में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्द्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, श्रक्ट्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के अभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व अन्य श्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री प्रमिन्द्र सिंह पुत्र श्री दिवन्द्र मोहनवीर सिंह गांव गंडियाला (ग्रन्सरक)
  - 2. श्री जोगिंद्र सिंह पुक्ष हुक्सा सिंह गांव कलारा (ग्रन्तरिती)
  - जैसाकि ऊपर नं० 2 में है (वह ध्यक्ति, जिसके प्रधिक्षोग में सम्पक्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

जंडियाला गांव में 34 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2929 श्रश्टूबर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवांशहर में लिखा है ।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 27 भ्रप्नैल, 1978 मोहर : प्रश्रप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰———— भायकर अग्निनियम, 1961 (1961का 43) की धारा

289 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा कार्यालय

भटिङा, दिनांक 17 म्रप्रेल, 1978

निदेश सं०ए० पी०/ 68/एन डबलू एस/ 78—79—-अतः मुझे, पी० एन० मलिक

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ र॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जंडि-याला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नवां-शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनोंक श्रक्टूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र्
प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भिधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्यं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरज म में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यस्तियों, ग्रामीत:——

- श्री दिविन्द्र मोहन बीर सिंह पुत्र चर्णजीत सिंह गाँव जंडियाला (श्रन्तरक)
  - 2. श्री सुखबीर सिंह पुत्र जोगिद्र सिंह गांव कलारां (श्रंतरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (अह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्अन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोइस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जासकोंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उत्कत श्रिधिनियम के शब्दाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ये होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

जंडियाला गांव में 34 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख तं० 2987 ग्रक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिखा

दिनाक 27 मार्च, 1978 मोहर प्ररूप भाई०टी∙एन∙एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ध्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए०पी० 69/एन० डबलू एस/78---69---ग्रत: मुझे, पी० एन० मिलक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मालूपोता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नयां शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्टूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरिकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य थे उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रमिनियम की घारा 269-म की उपनारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, जवात्:---

- 1. श्रो भुजा सिंह पुत्र नत्थू गांव मालुपोता, तहसील वां महर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगतार सिंह उर्फ सुरिन्द्र सिंह थिंड पुत्र प्रीतम सिंह गांव मालुपोला, तहसील नवां शहर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में दिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पड्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिषाणित हीं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गमा है।

#### **म**नुसूची

मालूपोला गांव में 4 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3021 ग्रक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है ।

> पी० एन० मलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिशा

दिनांक 27 मार्च, 1978 मोहर : प्ररूप आई• टी० एन० एस०----

**आयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269 **ष** (1) के भाषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **मायकर ग्रायुक्त** (निरी**क्षण)** ग्रर्जन रेंज, भटिङा कार्यालय भटिङा, दिनांक 17 ग्रप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 170/बीएलसी/78-79- ग्रतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रम्लात् 'उक्त श्रिधितयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बालाचौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बालाचौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रम्ट्बर, 1977

16) के अधीन अक्टूबर, 1977
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: मब, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-थ की उपधार। (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. श्री रावल चन्व हुक्स चन्द पुतान ग्रमीचन्द श्रीमती प्रम देवी पुत्री रसाल सिंह गांव बलाचौर (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री कॉशी राम पुत्न देवी दयाल गांव बलाचौर (ग्रन्तरिती)
  - 3 जैसा कि नं० 2 में है। (बह ध्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्मबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन के श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बलाचौर में 2 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 1171 ग्रक्तूबर, 1977 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बलाचौर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 27 मार्च, 1978 मोहर: प्रकप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, भटिंडा कार्यालय भटिंडा, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्वेश सं० ए० पी० 171/एम जी ए-78/79---यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम के भधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गत्रा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पविधा के लिए;

जतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- 1. श्री फकीर चन्द पुत्र रामेश्वर दास पुत्र राम गोपाल मोगा (ग्रनुसूची)
- 2. श्री प्रेम चन्द गुप्ता पुत्र अप्य राम दास पुत्रकर्ता राम द्वारा मुख्य श्रध्यापक गवनंमेंट हाई स्कूल डला, तहसील मोगा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 म है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रभिभोग म सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपम्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भिधोहस्ताक्षरी के पान लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

भोगा में राम गंज रोड के नजदीक एक मकान जैसा कि विलेख नं० 4880 प्रक्तूबर 1977 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-3-1978

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 177/एम० जी० ए०/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक

श्चायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भ्रलके में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिन नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अत:, अत्र, उकत प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अचित :---

- 1. श्री केहर सिंह करतार सिंह उर्फ किकर सिंह पुत्रान श्रीमती सोभी विधवा मघर सिंह गांव दुसांक्ष (ग्रन्सरक)
- श्री बिकर सिंह पुत्र रतन सिंह पुत्र विलोक सिंह गौव मलके तहसील मोगा (ग्रन्तिरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है

# अन् सूची

मलके गांव में 65 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 5997 दिसम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहासक ग्रासकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 27-3-78

प्रसप आई०टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के भाषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० 178/के० पी० ग्रार०/78-79:---यसः, मुझे, पी० एन० मलिक,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भुलय में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख नवम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से प्रुई किसी भाष की बाबत उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए;

ग्रत: ग्रन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग वे अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--- 5---66GI/78

- 1. महिन्द्र सिंह, मान सिंह पुत्नान किशन सिंह गांव कोटली (कपूरथला) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रेशम सिंह, रखपाल सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान परगन सिंह गांव बुटाला (ग्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, झधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

कोटली गांव में 34 कनाल 10 मरले जमीन जसा कि अनु-सूची विलेख नं० 1459 नवम्बर 1977 म लिखा है। रजिस्ट्री-कर्ती श्रधिकारी भूलत्य।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर **भागृ**क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

**वारीख: 21-3-1978** 

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

आयकर मिन्नियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मिन्नीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज, भटिंखा भटिंखा, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० 179/फिरोजपुर/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

धायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के घिषीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से घिषक है भीर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो सोढी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची म भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर प्रन्तरिक (प्रस्तरकों) भौर प्रम्तरिती (प्रन्तरिक्षयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) धन्सरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी पाय या किसी प्रत्य शास्त्र भास्त्र यों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के घंधीन, निक्रनिवित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री सोढी मर्लावंदर सिंह पुत भवतार सिंह सोढी नगर तहसील फिरोजपुर (भन्तरक)
- 2. श्री प्रीतम सिंह गुरवचन सिंह पुत्र बसावा सिंह पुत्र प्रेम सिंह सोढी नगर तहसील फिरोजपुर

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (सवह श्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग म सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति म रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में घ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी ग्रवंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के
  किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा सघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पत्तें का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है ।

# अनुसूची

सोबी नगर में 48 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं 2874 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी'० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 21-3-1978

प्ररूप माई० टी० एन • एस०-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) वें मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भटिङा भटिङा, दिनांक 17 ध्रप्रैल 1978 निर्देश सं० ए० पी॰ 180/फिरोजपुर/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मसिक,

धायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुकन खान वाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रनुप्तरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपशारा (1) के अजीन भिक्तिकित व्यक्तियों भवित्।—

- 1. श्री जिंदा सिंह पुत्र गंडा सिंह वासी बुकन खान वासा तहसील फिरोजपुर (धन्सरक)
- 2. श्री जीत सिंह, करतार सिंह पुलान बोहक सिंह वासी बुकन खान वाला सहसील फिरोजपुर

(ब्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 म है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे म प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

की यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भिष्ठोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्हें अधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रद्धं होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बुकन खान वाला गांव में 49 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2734 रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पीं० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीभण) भ्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 17-4-1978

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सुचना

#### मारत सरकार

भार्यालय, सञ्चायभ भायभर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रेंज, भटिंडा

पटिंडा, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी॰ 181/एमजीए/78-79—यतः, मुझे पी॰ एन॰ मसिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भोगा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घष्टिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिख्यत में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त अधि∌ नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, प्रयोत्:——

- 1. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी रशतिन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र बिहारी लाल राम गंज रोड मोगा द्वारा श्री चानन राम । (धन्तरक)
- 2. श्रीमती चमेली देवी पत्नी पोखर मल पुत्र राम सहाए पुत्र धोसी राम मकान नं० बी IX/925 राम गंज गली नं० 2 मोगा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, को उस अध्याय में विवा गया है।

## अनुसूची

राम गंज मोना म एक मकान नं० बी० एक्स/925 जैसा कि विलेख नं० 4522 सितम्बर 1977 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी०एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भटिका

तारीख: 17-4-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

भायतिय, सङ्गायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978

निर्देश सं० 3952/ग्रगस्त/77—यतः मुझे, के० पोन्नन. आयकर भिन्नित्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— उपस से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं पलैय घंतरवकोट गांध, सर्वे सं 16 में 17.74 एकर में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जे एस आर०-1 तंजाऊर 'डाकुमेन्ट' 2189/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है मौर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निखित में वास्त्रयिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें के लिए;

मत: म्रब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मणुसरण में मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मिधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, मर्थासु:--- 2. श्रीमती भंजले के० स्वामिनासन, एम० महमाथी, तनिक्कोटि भ्रम्माल (भन्तरक)

2. श्री के० चोक्कलिकम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविद्य, जो भी अविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पाक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शम्यों भीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभावित हैं, वहीं भर्य होना, जो उस भध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

प्लैया घंतरवकोटै गांव, सर्वे सं० 16 में 17.74 एकर । (डाकुमेण्ट 2189/77)।

> के० पोक्सन सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मद्रास

वारीख: 22-4-1978

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के शंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 भ्रप्रल 1978

निर्वेश सं० 3952/मगस्त/77—यस: मुझे, के० पोमन नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैय धंतरवकोट सर्वे है तथा जो सं० 16, में 17.74 एकर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, I जे० एस० श्रार० (तंजाऊर 'डाकुमेण्ट 2190/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रम्तरकों) धौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भिर्मितयम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिर्मितम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मकिबित स्यक्तियों, सर्वात्:---

- 1. श्रीमती ग्रंजलैं, के स्वामिनातन, महमायी तनिक्कोटिं ग्रम्माल (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री ग्ररुनाचलम चेट्टियार (भ्रन्तरिती)

को मह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की ध्यवित जो भी ध्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोइस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभावित है, वहीं धर्ष होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

पसैय वंतरवकोटै गांव में सर्वे सं० 16 में 17,74एकर। (डाकुमेण्ट 2190/77)।

> कें० पोस्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, मद्रास

वारीख: 22-4-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 भन्नेल 1978

निवश सं० 3952/ग्रगस्स/77—यतः मुझ, के० पोन्नन, बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० पलैय घंतरवकोट गांव में है सथा जो सर्वे सं० 1/3 में 17.74 एकर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावस धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, अ० एस० सार० I, (तंजाउर 'डाकुमेण्ट' 2191) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1977

ताराख अगस्त 1977
को र्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के शिए प्रस्तिति की गई है भीर
मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक
(प्रन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं
किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरग से हुई िकसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती ग्रंजलैं, के० स्वामिनातन, महमायी तनिक्कोटि ग्रम्माल (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री सी० ए० सी० श्ररुनाचलम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
  (पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पशें का, जो उक्त प्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैय घंतरवकोटै गांव, सर्वे सं० 1/3 में 17.74 एकर। (डाकुमेण्ट 2191)।

> के० पोन्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-4-1978

प्ररुप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, विनांक 22 अप्रैल 1978

निर्वेश सं० 3952/प्रगस्त/77—यतः मुझ, के० पोश्नम, आगमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैय घंतरवकाटै गांव, है तथा जो सर्वे सं० 1/3 में 17.74 एकर में स्थित है (भीर इससे उपायक्ष अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० आर० I तंजाऊर 'डाकुमेण्ट' 2192) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के झन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों, को, जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः स्रव, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त सिधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों अर्थीत् :—

- 1. श्रीमती ग्रंजले, स्वामिनातन, मनुसामि, नेरू, महमायी, इंतिरानी, तनिक्कोटि (ग्रन्सरक)
  - श्री एस० पी० मानिक्कम चट्टियार (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पत्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रंथ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलीय घंतरवकोटै गांव में सर्वे सं० 1/3 में 17.74 एकर। (डाकुमेण्ट 2192)।

> के० पो**न्नम** सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 22-4-1978

अक्ष भाई• टी• एन• एस•---

मायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास मद्रास-600008, दिनांक 22 श्चर्पेल 1978

निर्देश सं० 3952/श्रगस्त/1977—यतः मुझे, के० पोश्रम, पायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैय घंतरवकोट गांव में सर्वे है तथा जो सं० 15/3; 14; 21/1; 21/2; 16 (17-74 एकर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I तंजाऊर (डाकुमेण्ट 2193/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिलक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से दृक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसाँ भाय या किसी घन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, याधन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, मैं, उन्त पश्चिनियम की धारा 269 व की उपभारा (1) के भधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, भवीतः ---  श्रीमती श्रंजलै, स्वामिनातन मुत्तुसामि; नेरू; महमायी, इंतिरानी; तिनक्कोटि, रविश्वन्द्रन; कामराज

(ग्रन्सरक)

श्रीमती भ्रार० नाच्चमें ग्राचि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैय घंतरवकोटै गांव में सर्वे सं० 15/3; 14, 21/1, 21/2 घ्रौर 16 में 17.74 एकर ।

> के० पोन्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 22-4-1978

मोहर :

6-66GI/78

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

**बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** 

धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 3952/ग्रगस्त/77--यतः मुझे, के० पोन्नम, श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' अहा यया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अवधिक है श्रीर जिसकी सं० पलैंग घंतरवकोटै गांव में है तथा जो सर्वे सं० 16 में 17.75 एकर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुमुची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० f I तंजाऊर डाकुमेण्ट ( 2194/ 77) में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुद्दे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देते के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी जन या धन्त्र भास्ताओं को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनाचे धन्तरिती द्वारा अंकट तहीं किया क्या था किया काता वादिए था, जिन्हा में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उन्त पविनियम की धारा 269-ग के प्रनुष्ठरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-व की देशबारा (1) के अधीन निम्निविज्ञित स्पितियों, अवौत्:—

- 1. श्रीमती ग्रंजलै, स्वामिनातन, महमायी, तनिवकाटि ('ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती के० एन० गलनि ग्रप्पन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भो ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में सप्ताप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्यत्ति में हिस-गद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधितियम, के भ्रष्टवाय 20-क म परिभा-षित हैं, वही भर्थ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया ह।

## **अनुसूची**

पलैय घंतरवकोटै, सर्वे सं० 16 में 17.75 एकर (डाकु-मेण्ट 2194/77)।

> के० पोन्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, मज्ञास

तारीख : 22-4-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मर्घिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, If महास

मद्रास-600008, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978

निर्देश सं० 3952/ग्रगस्त/77—यतः मुझ, के० पोन्नन, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० पलैय घंतरतकोट गांव, है तथा जो श्रांर० एस० सं० 16 में 17.75 एकर में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार ० 1 तंजाऊर 'डाकुमेण्ट 2195/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1977 को

का 16) के अधान, ताराख अगस्त 1977 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्रुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) म्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उन्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर मिधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थोत्:—

- 1. श्रो श्रंजनै, स्वापिनातन, महमायी तनिक्कोटि (अन्तरक)
- 2. श्री के० एन० पलिनिग्रप्पन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप

- (क) इस सूचता के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पत्तैय घंतरतकोटै गांव में स्नार० एस० सं० 16 में 17.75 एकड़ ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रासः

तारीख: 22-4-1978

प्रकृप बाई० टी० एन० एस०-

बायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978 निर्देश सं० 3956/ग्रगस्त/77—यतः मुझें, के० पाँक्षन, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० वडकुल्लु गांव, एस० सं० 357/2; है तथा जो 358/1, 358/2, 358./3, 358/5, 358/8, 358/12, 357/4, श्रौर 358/9 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुरिन्जिपांड 'डाकुमेण्ट 2826/77) में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 23-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, भन्तरिस की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत से भिष्ठक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त भन्तरण लिखत में बाक्त कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त श्रधि-नियम के भधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (बा) ऐसी किसो प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिश्वित्यम, या धनकर ग्रिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना नाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए ।

मतः प्रव, उक्त माध। नयम की घारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उक्त भिधनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः— ा. श्री रामदास रेट्टियार

(श्रन्तरक)

2. श्री गंगप्पा पेपर मिल्स लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

ो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के ,जये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय मे दिया क्या है।

# अन् सूची

बडकुलु गांव में एस० स० 357/2, 358/1, 358/2, 358/3, 358/5, 358/8, 358/12, 357/4, भौर 358/9 में 7.46 एकड़ ।

कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-4-1978

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर नायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निर्देश स० 3956/श्रगस्त/77—यतः मुझे, के० पोश्रम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

म्रीर जिसकी सं० वडकुलु गांव है तथा जो एस० सं० 351/1, 354, 355, 357/1, 357/3, 357/4, 357/5, 358/5, 358/2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कुरिन्जिपाडि 'डाकुमेण्ट 1856/77)' में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 25 ग्रामस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और (प्रन्तरिती) (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ध्रश्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविषा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या कियी बन या ध्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, यो बन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुखिधा के सिए;

अत: प्रव, उक्त प्रधिनियम, की वारा 269-ग के पनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति: 1. श्री रामराज रेड्कियार

(भ्रन्तरक)

2. गठंगप्पा पेपर मिल्स लिमिटेड (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्वच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

वडकुलु गांव में एस० सं० 352/1, 354, 355, 357/1, 357/3, 357/4, 357/5, 358/2, 357/6 फ्रौर 358/7 में 11.02 एकड़ ।

के० पोन्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-4-1978

प्रारूप माई० टी॰ एन० एस॰--

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रासं

मद्रास-600008, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 3958/श्रगस्त/77—यतः मुझे, के० पोन्नम, मायकर घिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ए॰ से भाषिक है भ्रौर जिसकी सं० विष्नुकान्जि गांव है तथा जो टी० एस० सं० 1645 में 97 सेन्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० 5, कान्जिपुरम 'डाकुमेण्ट 1150/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29 श्रगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्छ भिक्षितियम के भिक्षीत कर देने के भ्रस्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उस्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, में, उस्त भिधिनियम, की घारा 269-प की उपजारा (1) के भवीन निम्तिशित व्यक्तिमों, भर्षात्:—

- श्री के० एस० मुनुसामि, सुब्बरायन, कुमरन भ्रौर इलिम्पिरै (श्रत्नरक)
- 2. श्री एम० श्रारूमुधम, श्रन्नामले श्रौर सेलतराज (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिवियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कान्जिपुरम निष्णु कांजि गांव में टो० एस० सं० 1645 में 0.97 सेन्ट।

> के० पोक्सम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज-II, मद्रास

तारीख : 22-4-1978

परूप माई० टी० एन० एस०---

आपकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 श्रप्रैल 1978

निर्देश सं० 3959/भ्रगस्त/1977-यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करले का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द∙ से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 60 सुब्बरायर नगर, (26321/2 स्क्यर फीट) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्थालय, जे० एस० भार० II, कडलूर (डाकुमेण्ट 1450/ 77) में रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी ख 27 भ्रगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिकल के लिए घन्तरित की ग**ई®है भीर** मु**झे यह विश्वा**स करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रनारक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरम निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नक्षीं किया गश है:--

- (क) मन्तरण ते हुई किसी प्राय की बाबत उक्ष्त भ्रत्विनियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर श्रनिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः नान, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एम० मुरसोलि

(भ्रन्तरकः)

2. श्री बी० बालु (मैनर) (डी० वेलुसामि सेट्टियार) के द्वारा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्मावर सम्मिन में दिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किय जा सकतो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रपृक्त शब्दो श्रीर पद्में का, जो उत्त श्रिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुचो

कडलूर, सुब्बरायर नगर, डोर सं० 60 में 2632 1/2 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 22-4-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निदेश सं० 3959/अगस्त/77—यतः मुझे, के० पोधन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

और जिसकी सं० 60, सुब्बराय नगर, कडलूर (26321/2 स्कुयर फीट) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कडलूर (डाक्समेण्ट 1451/77) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग मा किमी धन या भग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रज्ञ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री एम० मुरसोलि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ तेलुसामि

(भ्रन्तरिती)

को <mark>मह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के **ग्र**ागेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रवंत के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की धविध जो भी अविध बाद
  में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
  से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त ध्रिधिनियम® के शब्दाय 20-क में परि-माषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

कडलूर, सुब्बरायर नगर, डोर सं० 60 में 2632 1/2 स्कुयर फीट (मकान के साध)।

के० पोश्नन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-4-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

अध्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निदेश सं० 3960/ग्रगस्त/77—यतः मुझे के० पोन्नन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० 8, एलुमलें स्ट्रीट, वेस्ट ताम्बरम में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ताम्बरम (डाकुमेंट 684/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए ;

(1) श्री ग्रार० त्यागराजन ।

(भन्तरक)

(2) श्री एस० नारायणमूर्तिः

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राओप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घन्नधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **ग्र**नुस्ची

मद्रास, वेस्ट ताम्बरम, एलुमले स्ट्रीट, ग्रोर सं० 8 भूमि ग्रोर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 22-4-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्ररूप भाइ० टा० एन० एस०

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या तथ, सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 3963/ग्रगस्त/77—यतः मुझे के० पोन्नन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

स्रीर जिसकी सं० 3/22 चर्च स्ट्रीट,रेडियारपालयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रोलूकर (डाकुमेण्ट 720/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 25-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बोच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत भिक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, भ्रमीत्:---

- (1) श्री हग बेन्सन डुमान्ट ग्रीर मेरि जोसपैन डुमांग्ट (अन्तरक)
- श्री फेंबर बेनाट ग्रौर श्री फेंबर पिसयल । (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रेड्डियारपालयम, चर्च स्ट्रीट, डोर सं० 3/22 में भूमि ग्रौर मकान।

> कें० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** : 27-2-1978

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० 3967/ग्रगस्त/77—यतः मुझे के० पोश्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० कल्लंड गांव में 12.02 एकड़ (एस सं० 469/2, 470 ग्रौर 473) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुख्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मनमारे (डाक् मेण्ट 1751/77) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीतिननलिका व्यक्तियों, अर्थात्।--- 1. श्री ए० बी० कृष्णमूर्ति।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के ० एस० तिसकन।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्न सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध,
  जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथाकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कस्तर्ङ गांव, एस० सं० 469/2, 470 श्रीर 41 में 12.02 एकड़।

कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-3-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 3972/श्रगस्त/77—यतः मुझे के० पोलन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ध्पये से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० 11 बावर साहिब स्ट्रीट,पान्डिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाडिचेरी (डाकुमेण्ट 1259/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-8-77

को पूर्वोक्त संपक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में साह्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वाण्टित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीम निम्निलिखत व्यक्तियों, मर्थातः— 1. श्रीमती कन्नम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती सेल्ना असेतम्माल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
  प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मक्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिकापित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पांडिचेरी, बादर साहिब स्ट्रीट डोर सं० 11 में भूमि ग्रीर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास्र

तारीख: 27-2-78

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269ष (1) के भाषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 27 फरवरी 1978

निवेश सं० 4392/ग्रगस्त/77—यतः मुझे के० पोन्नन आयकर प्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 3/329, एस सं० 149; कोनावाकरें, कोटिगिरि गांव में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोटिगिरि (डाक् मेण्ट 596/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए श्रम्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है. कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बद्ध प्रतिशत से श्रधिक है और शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः भ्रम, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण मं, में, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितित्यों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री कें के नेगी गौडर;
  - (2) श्री एम० रुक्कि ग्रम्माल;
  - (3) श्री ग्राय० रुक्ष्किक ग्रम्माल;
  - (4) श्रीबी० सारदा;
  - (5) श्री बी० तारमिन;
  - (6) श्री के० भ्रार० कालि स्रम्माल;
  - (7) श्री के० श्रार० भोजन;
  - (8) श्री ग्रार० दर्मलिंगम;
  - (9) श्री ग्रार० रामकृष्णन;
  - (10) श्री ग्रार० लक्ष्म;
  - (11) श्री के० श्रार० सुन्दरी

(ग्रेन्तरक)

2. कोनावाकरैटी० प्लैन्टेशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे :

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोटगिरि गांव, कोनावाकरैं गांव, डोर सं० 3/329 (एस $\circ$  सं $\circ$  149) (डाकुमेण्ट 596/77)।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 27-2-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 4394/ श्रगस्त/ 77--यतः मुझे के० पोन्नन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-चपये से अधिक है वाजार मुल्य श्रौर जिसकी सं०डोर सं० 8/563, श्रौर 8/564 है तथा जो तिरुचि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता थ्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० रि, कोयम्बत्र (डाक्सेण्ट 1651/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-8-1977 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म

ग्रतः, ग्रन, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री एन० सामि नायुड्।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० एस० डी० सम्बत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी क पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का, जो उक्त ग्रिशि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, तिरुचि रोड, डोर सं० 8/563 ब्रौर 564 (टो० एस० सं० 10/1739 भाग) में 6143 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक<sup>र</sup> आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-2-1978

प्रसप माई • टी • एन • एन • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास-600006,दिनांक 27 मार्च 1978

निदेश सं० 4402/ग्रगस्त/77-यतः मुझे, के० पोन्नन भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत श्रविनियम', कहा गया है) की धारा 269-व के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० घुडलूर, एस० सं० 276/2; 404/2 और 404/1 ए 1 स्थित है (ऋौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ऋौर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, घूडलू (डाक्मेण्ट 609/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23-8-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मुक्ष, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर चन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक इत से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) मन्सरण से हुई किसो धाय की बाबत, उक्त भिष्ठित्यम, के भिष्ठीत कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; भौर/या
- (च) ऐनी किसी माय या किसी घन या भ्रन्य मास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निजित क्यम्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती रेमा जयराज

(ग्रन्सरक)

2 टो गुन्डन भौर सेन्तिल कुमार (मैनर)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जा है लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त न रत्ति हे ग्रर्जन ह संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धत्रिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत, भिर्धानयम' के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भरूगय में दिया गया है ।

# अमुसुची

घूडलूर गांव एस० सं० 276/2 में 3 एकड़; एस० सं० 404/2 में 9.57एकड़ श्रौर 404/1 ए० 1 में 2 एकड़ 1

के० **पोक्षन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-3-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 27 मार्च 1978

निदेश सं० 4402/श्रगस्त/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भ्रोर जिसकी सं० धूडलूर एस० सं० 276/1 ए1; एस० सं० 276/3 भ्रोर एस० सं० 276/2 में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, घूडलूर (डाक्समेण्ट 610/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है, भीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाधत उक्त ग्रिशितियम के ग्रिशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यविथों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कुट्टन कौसल्या।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सारदा गुन्डन।

(भ्रन्तरिती)

को पह सूना। नारो हरहे पूर्वोक्त समाति के प्रर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मत्ति के भ्रजेंत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त उपित्तयों में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की नारीख से 45 रिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पब्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम, के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, पड़ी प्रयंतीना, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## भ्रमुस् चा

घूडलूर गांव एस० सं० 276/1 ए 1 में 3.18 एकड़; एस० सं० 276/3 में 0.25 सेन्ट भ्रौर एस० सं० 276/2 में 10 एकड़।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-ग्ना, मद्रास

तारीख: 2*7*-3-78

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

प्रायंकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भागकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, 123, माऊंट रोड,-600006 मद्रास मद्रास-600006, दिनांक 27 मार्च 1978

निदेश सं० 4403/अगस्त/77—यतः मुझे के० पोक्षन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं० 32/215 तेलुगु ब्रामिन स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रारा, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1701/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-8-

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिशत से प्रधिक है, पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उसस अधिनियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिक्षा के लिए;

मतः मब, उनत मधिनियम, की घारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उकत मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8---66G1/78 1. श्री पी० एस० रामचन्द्र राव

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रडैक्कम्मे श्राचि।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी क्यिक्सियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यिक्तियों में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपं में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकारण:--इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिंतियम, के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### धनुसुची

कोयम्बतूर, तेलुगु ब्रामिन स्ट्रीट, नया डोर स० 32/21 भाग (नया टि० एस० सं० 7/601 भाग) में 1440 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 27-3-1978

प्ररूप आइ० दी० एन० एस०--

भागकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के भाषीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निदेश सं० 4421/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोधन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत ज्ञाजार मृह्य 25,000/- इपए से अधिक है

भीर जिसकी श्रार० एस० सं० 607, कूनूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकुमेण्ट 799/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल

का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राप्त की वाबत, उक्त ग्रीधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या मन्य ग्राह्तियों, को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था मा किया जाना चादिए था, जिलाने म सुविधा के लिए;

धतः धन, उस्त धिवियम की धारा 269ना के धनुसरण में, मैं, उस्त धिधिवयम की धारा 269ना की उपचारा (1) के सिधीन निम्मविचित व्यक्तियों, धर्मास्-

- श्री सेत तामस श्रष्कार श्रीर श्रीमती श्रष्कार। (श्रन्तरक)
- 2. श्री फिलिप जान।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के धड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मझ्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

कूनूर, भार० एस० सं० 607 में 140 एकड़, (मक्कान के साथ) (इक्लेगेम)।

> के० योन्नन स**क्षम** प्राधिका**री** सहायक श्रायकर**मायुक्**त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज [िमद्रास

तारीख: 19-4-1978

प्रकप आई • टी • एन • एस •-

भायकर शक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधोन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 27 मार्च 1978

निवेश स० 4503/ग्रक्तूबर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 32/21 टेलुगु स्नामिन स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2177/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाय की नाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिकिट व्यक्तियों प्रथात् :—

1. श्री पी० एस० रामचन्द्रन राव

(म्रन्तरक)

2. श्रीमति श्रडेकम्मै आचि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रथिंघ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविंघ, जो भी भविंघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वच्छी सरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रिश्शियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### श्रनुस्ची

कोयम्बतूर, टेलुगु बामिन स्ट्रीट में डोर सं० 32/21 (डाक्मेण्ट 2177/77)।

> वें० **पोन्नन** सक्षम प्राधिकारी स*्*गयक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-3-1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 🎞, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 18 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० 5748/ग्रगस्त/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दासमुगिपेट्टै, सर्वे सं० 422/2, 422/3ए; 424/3सी, 425/4ए, 425/4 सी; 424/1, 424/3U; 430/3ए; 452/9; 453/2, 454 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० II, मद्रास नार्थ (डान्समेण्ट 2176/77) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्!--  श्री एस०टी० नारायणन, एन० बी० नारायणन आर एन० नारायणन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० के० श्रारुमुगम; शन्मुगम;

श्री मैलपन;

श्री नटराजन;

श्री नक्तवाचन;

श्री दक्षिगनामूर्ती श्रौर तम्सिमनि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अभुसुची

दासगमुगिपेट्टै, सर्वे सं० 422/2; 422/3ए; 424/1; 424/3ए; 424/3 सी०; 425/4ए; 425/4सी०; 430/3ए, 452/9; 453/3 और 454 में 37--84 एकड़।

कें० पोक्सन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज II, मद्रास

तारीख: 18-4-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज II 23, माऊंट रोड़, मद्रास 600006 मद्रास-600006, दिनांक 27 मार्च 1978

निवेश सं० 5754/प्रगस्त/77—प्रतः मुझे के० पोन्नन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 11, सेन्ट्रल ग्रवन्यू रोड, श्रीनगर कालोनी, मद्रास-15 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० सेंदापेट (डाकुमेण्ट 523/77) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) स्रस्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम, के सधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मुजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री वी राजागोपालन और श्रीमित लीलावती

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० सन्करन नायर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-15, श्रीनगर कालोनी, सेन्ट्रल एवन्यू रोष्ट, डोर सं० 11 में 3.35 ग्राउण्ड (मकान के साथ)।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 27-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांवय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 14 म्रप्रैल 1978

सं० 9/78-79—यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन) प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 339, 340, 341 है तथा जो चेन्द्रालोक कम्प-लैक्स में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 3-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया कथा है:---

- (क) भन्तरण से धुई किसी भाग की वावत उकत प्रक्रितियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, श्रथीत्:—  मैसर्स स्वास्तीक कनस्ट्रेकशन कम्पनी 111-एस-डी० रास्ता सीकन्द्राबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री हरिकिशन सोनी घर नं० 14-2-332/1 ग्यान बाग कालोनी, हैवराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्ट संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

कार्यालन नं० 339, 340 श्रौर 341, III मनजीलाघर चन्द्रालोक कम्पर्लेक्स सरोजीनी देवी रास्ता-सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1403/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> कें० एस० घेंटक रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंवराबाद

तारीख: 14-4-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 श (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 10/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयाद 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य, 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी सं० 3-6-713 है, जो हीमायतनगर में स्थित है, और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैं दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, 'उक्त प्रिक्षितियम' के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्व के लिए; भौर/ या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ धास्तियों को जिन्हें भारतीय आग्र कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त धिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्मात्:--- 1. डाक्टर श्रार० नटराजन जी० पी० ए० माता— श्रीमती पी० कुनजुमल— 82-टी० एस० वी० कोयल गली मैलापुर मद्रास-600004।

(ग्रन्तरक)

2. सेनट जजपो एज्युकेशन सोसाइटी घर नं० 3-5-899 हीमायतनगर हैंदराबाट। श्री यू० ग्रेगरी रेड्डी के बारा (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजैन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धर नं० 3-6-713 हीमायतनगर हैवराबाद – बीर्स्टन 751 वग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2279/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन स**क्षम श्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-1978

प्ररूप भाई० टी• एन० एस•———— भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के सधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1978

सं० नं० 11/78-79---यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-7-63 /|24,25, है, जो स्टेशन रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) हे के ग्रिधीन श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बढ़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरच से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भवि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किती धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए,

प्रत: प्रव, उक्त यशिनियम की धारा 269ग के बनुसरण में, में, उक्त यशिनियम की धारा 269 थ की उपवारा (1) के बाबीन निकासिबित व्यक्तियों, प्रवित्:——

- 1. (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई परनी मदनलाल ग्रग्रवाल ।
- (2) श्रीमती लीला बाई पत्नी गंकरलाल ग्रग्रवाल घर नं॰ 15-1-1 उस्मानगंज हैंदराबाद।

(अ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती बी० सुभद्रावाई पत्नी बी० गंगाराम।
- (2) श्रीमती बी० भाग्यालक्ष्मी पत्नी चन्द्रामोदन घर नं० 4-823 अवाहर रास्ता नेजामाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाणित हैं, वही भ्रषें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

गलरी नं० 5-7-637/25 और भाग गलरी नं० 5-7-637/24 भ्रोर दो रूम भ्रोर बालकोनी जमीन का सता भ्रोर घर का भाग कहा जाता है जगदीश नीकेतन स्टेशन रास्ता नैजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2768/77 उपरजिस्ट्री 14-4-1978 कार्यालय नैजामाबाद।

के० एस० वेंकट रामन स**क्षम भाषकारी** स**इायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजुन रेंज, हैटराबाद

तारीख: 14-4-1978

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2698(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० आर० ए० सी० नै० 12/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

दे से प्रधिक हैं

प्रौर जिसकी सं 5-7-637/23 और 26 है, जो स्टेशन
रास्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर
पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
नैजामाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908
का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1977 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रातंफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (भन्तरकों) भीर श्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिथक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिष्ठ मियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात्:—

9---66GI/78

- (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी श्री मदन लाल भग्नवाल ।
- (2) श्रीमती लीला बाई पत्नी शंकर लाल श्रग्नवाल 'घर नं० 15-1-1 उस्मान नगर हैंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमती सुबद्रा बाई पत्नी स्वर्गीय बी० गंगाराय (2) श्रीमती भाग्लक्ष्मी पत्नी श्री चन्द्रमोहन घर नं० 4/823 जवाहर गली नैजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्राप ने० 5-7-637/23 श्रीर 5-7-637/24 श्रीर घो कमरे श्रीर बालकोनी पहली मंजिल पर इसे कहा जाता है जगवीशनिकेतन स्टेशन रास्ता नैजामाबाट रजिस्ट्री दस्ताबेज नं० 27267/77 उप रजस्ट्री कार्यालय नैजाबाबाट।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-1978:

# प्रक्ष प्राई० टी० एन० एस०-

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कायलिय हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1978

यतः मुझे, (के० एस० वेंकट रामन)
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-3-264, 265, 266, है, जो जुमेरात बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नैजामा-बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त भन्तरण लिखत में कास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) भ्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धनया घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: प्रबं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिबित स्वन्तियों, मर्चान्:---

- 1. (1) श्री शेख ग्रबदुला सबरी।
- (2) शेख ग्रहमद।
- (3) श्री शेख फारक म्रली मोहन टाकीस के पीछे फुलोंग नैजामाबाद।

(श्रन्तरक)

 (1) श्रीमती ग्रार० श्रनसुषा पत्नी ग्रार० लक्ष्मी नरसय्या—घर नं० 5-3-264 जुमेरात बाजार नैजामाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्मांत के भ्राजैन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्ष किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों धौर पदों का, जो 'उक्त ध्रधिनियम' के ध्रष्टयाय 20-कं में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

## अभुसूची

दो मंजल घर नं० 5-3-264, 265, 266 जुमेरातबजार नैजामाबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2570/77 उप-रिजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाट

तारीख: 14-4-1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कार्यालय हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1978

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 14/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

ग्रायकर ग्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रार० टी० 5-3-875 है, जो मालाकुनय मारकीट स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध प्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन कारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भश्विक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत पन्तरण निश्चित्त में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त मिधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पात्र या किसी धन या श्रन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः भव, उनन भ्रधिनियम की धार। 269म के अबुसरण में, में, उकन भ्रधिनियम की भ्रारा 269 थ की जपधारा (1) के भ्रधीन, निक्यभिन्न स्थापनियों, प्रथीत् :---- श्री श्रीराम प्रहूजा पिता हरदास सिंह पहली मंजिल
 एसेस घर में श्राबीद रास्ता हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरूराम पुत्र खानचन्द कराचीबेकारी मोजमजाई मार्केट हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आर से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा जो उस शब्याय में विवा गया है।

# अनुसूची

भवन का भाग स्रौर जमीन खुली 5-3-875 मालाकुनटा केपासा मीजमजाई मार्केट हैंदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2373/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर <mark>धायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-1978

प्रकृप प्राई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 15/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-3-875 का भाग है, जो मोजम जूही मार्केट स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरेण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री श्री राम श्रह्णा पुत्र हरदास सीनगग्रधा पहल मंजिला 3-येसेस घर में श्रधीदणप में हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नरायनदास पुत्र कानधेनद कराधीवेकरी य द्वारा मीजमजही मार्केट हैंदराबाद। (श्रन्सरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकः श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, बही श्रर्थं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान का भाग भौर जमीन नं० 5-3-875 मालाकुनः मोजे मधाई मार्केट हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2374 77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकार्र सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, हैदाराबा

तारीख : 14-4-1978।

प्रक्ष धाई० टी० एन० एम०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्ता (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं०, भाग नं० \$5-3-875 है, जो मालाकुनटा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिंद्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिंद्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है, भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त भिध-नियम, के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957' (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भन उन्न प्रश्चितियम की धारा 269ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत्:——

- श्री श्रीराम श्राहूजा पुत्र हरदास सिंह श्राहूजा पहली मजिल 3-येसस पर एविड रोड हैदराबादृ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री देवनदास पुत्र खेमचन्द कराची बेकरी के द्वारा मोजमजाही मार्किट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की भ्रषधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदी का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर का भाग ग्रौर खुली जमीन नं० 5-3-875 माला-कुनटा मोजमजाही मार्केट के पास हैदराबाद में—रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2375/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेटक रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 14-4-1978

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 धप्रैल 1978

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 17/78-79---यतः मुझे

के० एस० वेंकट रामन,
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पण्चात् 'उक्स मिश्रिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के मधीन समम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है
प्रौर जिसकी सं० 15-8-510, 511 है, जो फीलकाना हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपायन ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उडबौली

को 16) के प्रधीन, तारीख 26-8-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह
प्रतिशत से प्रधिक हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्तमम, के श्रिष्ठीन कर देने के श्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के मनुसरस में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के सबीन निम्निश्चित न्यक्तियों स्वीतः—  श्री वीरेन्द्र सिंह लाम्बा घर नं० 221 बाटम रास्ता सिकन्द्राबाद।

(भ्रन्सरक)

- 2. (i) श्रीमती ग्रफजल बेगम।
  - (ii) श्रीमती सईदा बेगम।
  - (iii) श्रीमती युसुफनीसा बेगम।
  - (iv) श्रीमती इकबाल बेगम।
  - (v) श्रीमती नफीस बेगम।
  - (vi) श्रीमती श्रमीना बेगम सभी निवासी घर नं० 15-8-510, 511 फीलखाना-हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिप्तियम के प्रध्याय 20क में परिभावित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

षर नं० 15-8-510 श्रौर 511 ए० बी० सी० फीलखाना हैंदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 667/77 उप-रजिस्ट्री कायीलय बूडबोली, हैंदराबाद।

> के० एस० वेंटक रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण)</mark>, श्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद ।

तारीख: 14-4-78।

# प्ररूप धाई० टी० एन० एस •---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रप्रैल 1978

निदेश स० 18/78-79—-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस हे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० मे श्रधिक है

श्रोर जिसकी स॰ 6-3-903 है, जो सोमाजीगुडा में स्थित है श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है)), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल की लए प्रत्यरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करन का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिमान से अधिक है और अन्तरक (शन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इष्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसो धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः मन, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः---  श्रीमती सीगरा बैगम पत्नी हमीम श्रापीर श्रली 6-3-903/1 सोमाजीगुडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती फकरुनीसा बैगम पत्नी महमद शरफुवीन खान
 6-3-903 सोमाजीगुडा हैदराबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रकृत के मंबंध में कोई भी प्राक्षप 🕶

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव के 15 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भा भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हिन्-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जा उन्त अधिनिषम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में विधा गया है।

## अमृसूचो

घर न० 6-3-903 सीमाजीगुडा वीस्तेन -1458 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2402/77 तारीख 12-9-77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-4-1978

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस • —

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-म (1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 15 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० श्रार० ए० सी० न० 19/78-79—यता मुझे के० एस० वेंकट रामान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इब अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 2-1-502 श्रीर 503 है, जो नलाकुनटा में स्थित है (श्रीर इससे जापाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, हैंदराबाद में भारतीय रजिट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य मास्तियों की जिन्हें, भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरग में भें, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्धात्:---

- 1. (1) श्री बद्रीनारायण नरानीया
- (2) श्रीमती सुमीत्ता बाई नरानीय।
- (3) श्री अजलाल नरानीया।
- (4) मिसजे धीललेखका शर्मा घर न० 4-2-400 सुल्तान बाजार हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री श्रीकिशन।
  - (2) श्री श्रोम प्रकाश।
- (3) श्री सस्त्या नारायण।
- (4) श्री जगदीश 1-8-56/2 चीक डपली हैंदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा का सम्पनि के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भनिध, जो भी भनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पब्दीकरण: ——इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर ग्रीर खुली जमीन न० 2~1-502 ग्रीर 503 नलाकुनटा हैंदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेण न० 2084/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-4-1978।

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन मुचना

#### भारत गरकार

कार्यालय, महाएक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनाक 15 भ्रप्नैल 1978

निदेश स० म्राग्० ए० सी० 20/78-79~—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 1-8-55 सौर 55/ए है, जो धीकडपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से पश्चिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भ्रौर/रा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या घन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनानें में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 को के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 को उपवारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--- । श्री ग्रणोक कुमार पुत्र श्री मत्यानारायन घर न० 11-10-1083 इलपट हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री ऊदराम नानवानी पुत्र बसारमल नानवानी घर न०
 22-वदुमलमेनशन सरदार पटल रोड सिकन्द्राबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूजना जारो करके पूर्जीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उपत सम्वत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथें होगा जो उस भ्रष्याय में विया गया है ।

### अनसची

गली न० 1-8-55 श्रौर 55/ए धीकडपली हैदराबाद वीस्तेन न० 55 वरी यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2150/77 उप रजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेकट रामान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 15-4-1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

यायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्या नम, सहायक आयंकर आयुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 15 श्रप्रैल 1978

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 21/78-79---यतः मुझ (के० एस० वेंकट रामन)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ७ खुली प्लाट नं ० 4 गली में है, जो हीमायत नगर स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-8-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्रायकी वाबत उक्त धर्धि-नियम के धर्धान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के **मनुसरण** भें, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभ्नानिकत स्पानितयो, ग्राचीन :---

- (1) श्री पी० राजानरसीम्मा रेड्डी निवासी चिकापुरो कामा रेड्डी तालुक नैजामाबाद जिला।
- (2) श्री पी० बापु रेड्डी पीता श्री नरसिम्मा रेड्डी, नसकाल तालूक मेदक जिला।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्रीमती बैं० सुजाता रेड्डी।
- (2) कुमारी वाई० संगीता रेड़ी।
- (3) श्रीमती बी० नीरमला रेड्डी, चीनप्पा रेड्डी के द्वारा 3-6-469/1 हीमायत नगर, हैंदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसाहुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त श्रिष्ठियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### अनु सूची

खुली जमीन जिसका वीस्त नं० 832 वर्ग यार्ड नं० 4-के गली में है हीमायत नगर, हैंदराबाद में दस्तावज नं० 2337/ 77, ऊपरजिस्ट्री क्रार्यालय हैंदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-4-1978

प्ररूप धाई• टो० एन• एस०-

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

निदेश सं० ग्रार० ए० सी. नं० 22/78-79—यतः मुझ के० एस० वेकटरामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 घर नं० 3-6-301 मुरलीधर बाग में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित् है (रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 19-8-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बांजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:—— 1. हरेन्द्रारमनीक लाल दफतरी घर् नं० 3-6-361/2 हीमायतनगर हैदराबाद।

ः(ग्रन्तरक)

2. श्री तुलसीदास एम० थाकर 15-4-591 श्रफजलगंज हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखि - किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 12 घर नं० 3-6-301 मुरलीधर बाग हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2297/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-4-1978।

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰——— ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जज रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रप्रैल 1978 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1304/78-79/---यतः मुझे एन० एस० चौपड़ा

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मुन्यीसपल नं० 1503-ए, प्लाट नं० 44, मोहन पार्क नवीन शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-8-1977

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना जाहिए था, ख्रिपाने में मुनिधा के लिए;

धतः नधान, उना अधिनियम को धारा 269-ग के ॄंधनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ंघ की उपधारा (1) के अधीर निष्नतिखन अनिनों अर्थीर्  श्री सीदु राम, सुपुत्र श्री वासु राम, निवासी 922, अकूचा काबुल उत्तार, चांदनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 चौधरी राम, सुपुत्न श्री गंदा राम, निवासी 11217, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करि पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पटों का, जो उक्त ग्रधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उक्त ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान जोिक प्लाट नं० 44 पर 266 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बना हुम्रा है, जिसका मुन्यीसिपल नं० 1503-ए है, मोहन पार्क है, नवीन शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : रोड़ ।

पश्चिम : भूमि

उत्तर: प्लाट नं० 43 पर मकान

दक्षिण: प्लाट नं० 45।

एन० एस० चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 29-4-1978

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th April 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 66 days from 27-3-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admin.III(2).—In partial modification of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Chade of the service for a further period from 12-3-78 to 14-4-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. Incharge of Administration Union Public Service Commission

# ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 17th April 1978

No E-3(31)-72:—The following ENFORCEMENT OFFICERS have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers in this Directorate with effect from the date of their assumption of charge and until further orders:

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each;

SI. No.	Name	•	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2		3	4
2. 3.	Shri D. K. Mitra Shri R. S. Seth Shri B. K. Base Shri R. M. Mutugappan		Calcutta Head Ors. Calcut'a Madras	28-2-78 13-3-78 28-2-78 15-3-78

S. D. MANCHANDA Director

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th April 1978

No. III-14028/9/75-NE-Vol.1.—The President is pleased to appoint Shri H. Guha, Director of Animal Husbandry, Government of West Bengal, as Adviser (Animal Husbandry) in the North I astern Council Secretariat, Shillong w.e.f. the forenoon of the 9th March 1978 for a period of one year and until further orders.

\$. K. AGNIHOTRI

Dy. Secy.

# DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

# LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 15th April 1978

No. 2 46/75-EST.—In continuation of this office notification No. 2/46/75-EST dated 13th February, 1978, the Director is pleased to appoint Shii K. C. Saxena as Librarian on adhor basis for a further period of 6 months with effect from 15-4-78 or till some final decision regarding the post of Libratian is taken by the Govt. whichever is earlier.

H. C. SHAH Deputy Director (Senior)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th April 1978

F. No. A-2/65-Ad. V.—Consequent on his appointment as Chief Vigilance Officer/Adviser (Vigilance & Security) in the Indo Burma Petroleum Co. Ltd., Shri A. B. Chaudhuri, IPS (W.B.) has been relieved of his duties of Joint Director, C.B.I. with effect from the forenoon of 29-3-78.

#### The 9th April 1978

F. No. D-7/73-Ad.V.—Shri D. Acharya, I.P.S. (U.P.) relinquished charge of the Office of A.I.G., C.B.J., Co-ordination Division on the forenoon of 1-4-78. His services have been placed back at the disposal of the State Government.

No. A-19021/5/75-Ad.V.—Shri R. Padmanabhan, IPS (Kerala) relinquished charge of the Office of Supdt. of Police, C.B.I., EOW/Bombay on the afternoon of 5-4-78. His services have been placed back at the disposal of the State Government.

#### The 24th April 1978

No. A-19021/3/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Jha, IPS (1961-Assam & Meghalaya) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation (S.P.E.) with effect from the forenoon of 12-4-78 on deputation basis until further orders.

No. A-19021/4/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Hura, IPS (1962-Punjab) as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (S.P.E.) with effect from the forenoon of 13-4-78 on deputation basis until further orders.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) C.B.I

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 18th April 1978

No. O II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Koshy Eapen, an ad-hoc JMO Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the afternoon of 31st March, 1978.

No. O.II-1085/78-Estt.—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs) Raina Shyama as Junior Medical Officer in the CRP Force on an adhoc basis with effect from 1-4-78 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm)

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 21st March 1978

No. E-16013(1)/3/75-PERS.—On his appointment as Deputy Inspector General of Police under the Delhi Administration, Shri I. B. Negi, IPS (UP-1958), relinquished the charge of the post of Deputy Inspector General (Recruitment and Training), CISF Headquarters, New Delhi, with effect from the forenoon of 20th March, 1978.

R. C. GOPAL Inspector General

## New Delhi-[10024, the 6th April 1978

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri B. R. Luthra, IPS (MP-1960), assumed the charge of the post of Deputy Inspector General, CISF Unit, Bhilai Ispat Ltd., Bhilai, with effect from the forenoon of 24th March 1978.

### The 13th April 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Jalpaiguri Stri J. L. Sharma, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF, Beas Project, Talwara w.e.f. the afternoon of 27th March 1978 vice Shri R. C. Kalia who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

#### The 18th April 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Kudremukh Shri K. A. Belliappa relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, Madras Port Trust, Madras with effect from the afternoon of 20th February 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. S. Varadaraja assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit MPT Madras with effect from forenoon of 17th March 1978.

R. C. GOPAL Inspector General/CISF

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 18th April 1978

No. 11/5/77-Ad. I.—The President is pleased to extendth ad hoe appointment of the under-mentioned officers in the post of assistant Director of Census Operation, (Technical) in the office of the Directors of Census Operations as mentioned against each of them for a further period of one month with effect from 1-3-1978 to 31-3-1978, or until further orders, whichever period is shorter:

SI. No.	Name of the officer	Office of the DCO	Head quarters	Reference to previous sanction
1	2	3	4	5
	S/Shri		··	
1.	B. Satyanarayana	Karnataka	Bangalore	11-5-1977 Ad. I dated 10-2-1978
2.	S. Gayasbanker	Kerala	Trivardrom	Do.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
Officio Deputy Secretary
to the Government of India

# MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 11th May 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers one base 1960=100 increased by one point to reach 321 (three hundred and twenty one) during the month of March, 1978. Converted to base 1949=100, the index for the month of March 1978 works out to 390 (three hundred and ninety).

TRIBHUAN SINGH Dy. Director

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 18th April 1978

No. 104/M.—On his attaining the age of superannuation Shri D. P. Jambotkar an officiating Stamp Supply Officer,

Central Stamp Store, Nasik Road, retired from Govt. selvice with effect from the afternoon of 31st March, 1978.

D. C. MUKHERJEA General Manager

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 21st April 1978

No. 7(36)/703.—Further to this office notification No. 7(36)8928 dated 4-2-78 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an ad hoc basis for a further period of 3 months w.c.f. 1-4-78 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th March 1978

No. Admn.I/O.O.757/Promotion/77-78/2861.—The Accountant General, is pleased to appoint Shri Babu Ram, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200, with effect from the forenoon of 29th March, 1978 until further orders.

K. H. CHHAYA Sr. Dy. Accountant General (Admn)

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 20th April 1978

Admn. O.O. No. 43.—In this office notification No. Admn. I/O.O.8/5-5/Promotion/78-79/24 dated 5/18-4-78, regarding promotion of Shri B. R. Thakur as Accounts Officer, for the date "3rd April, 1928" occurring in 3rd line, substitute the date "3rd April, 1978".

P. L. VOHRA

Accounts Officer (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 18th April 1978

O.O. No. Admn.I/10.—The Comptroller & Auditor General of India has been pleased to sanction the permanent absorption of Shri P. N. Bhatia Accounts Officer, in the Hindustan Paper Corporation Ltd., from the forenoon of 26th May, 1976. He is deemed to have retired from the Govt. of India service with effect from the date of his permanent absorption in the Hindustan Paper Corporation Ltd., as per Rule 37 of the CCS (Pension) Rules, 1972.

K. P. RANGASWAMI Accountant General

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 13th April 1978

No. 3/78/A/M.—On attaining the age of superannuation (i.e. 58 years plus 2 years extension) Dr. B. B. Kar permanent Asset. Medical Officer, Ordnance Factory, Kanpur retired w.e.f. 28-2-78 (AN).

P. N. TRIKHA,
Director of Health Services,
for Director General, Ordnauce Factories.

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

#### DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 13th April 1978

No. 14.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri V.E.P. Nayar, Subst. & Permt. Manager retired from the service with effect from 30th September, 1977 (AN).

#### The 17th April 1978

No. 15/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri S K. Ghosh, offg. Assistant Manager, (Subst. & Permt. Foreman) retired from services with effect from 31-1-78 (AN).

No. 16/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri B. K. Ghosh, offg. Assistant Manager, (Subst. & Foreman) retired from service with effect from 31-1-78 (AN).

No. 88/78/G.—On attaining the age of 58 years, Shri R. T. Jaokar, offg. Dy. Manager (Subst. Foreman) retired from service with effect from 31st December, 1977 (AN).

No. 89/78/G.—On attaining the age of 58 years, Shri S. C. Gupta, offg. Asstt. Manager (Subst. Asstt. Store Holder) retired from service with effect from 31st December, 1977 (AN).

V. K. MEHTA.

Assistant Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 17th April 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/730/64-Admn(G).—Shri K. C. Acharya, Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been dismissed from service with effect from 28-2-1978 (afternoon).

K. V. SESHADRI,

Chief Controller of Imports & Exports.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 24th April 1978

No, Jute(A)/1487/65.—The Jute Commissioner hereby extends appointment of Shri S. K. Haira, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group 'B' (Gazetted) in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an ad hoc officiating capacity in this office w.e.f. 18-4-78 (F/N) to 29-4-78 (A/N) vice Shri K. P. Das proceeded on leave.

K. K. BANERJEE. Administrative Officer.

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 15th April 1978

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July 1969, under Class 3—Division 1, in the entry "SOLIPRUF" for the figures and words "31st March 1978" the figures and words "30th September, 1978" shall be substituted.

No. E-11(7).—In this Department's Notification No F-11(7) dated the 11th July. 1969 under class 6 Division 3, add "Detonating Relays—PT" after the words "Detonating Relays".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th April 1978

No. A-1/1(419)/IV.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chhabra, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals. New Delhi to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis in the same Drectorate General at New Delhi with effect from the afternoon of the 21st March, 1978 and until further orders.

No. A-1/1(470).—On his reversion to the post of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A'). Shri D. R. Nagpal relinquished charge of the office of Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of the 21st March, 1978.

No. A-1/1(585).—On his reversion to the post of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A'), Shri V. S. Chawla relinquished charge of the office of Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of the 21st March, 1978.

#### The 22nd April 1978

No. A-1/1(655)/III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Kalyanaraman, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 5th November, 1977 to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 9th March, 1978 and until further orders.

No. A-1/1(664)/IL.—The President is pleased to appoint Shri R. G. Badlani, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis from the afternoon of the 21st March, 1978 and until further orders.

#### The 24th April 1978

No. A-1/I(1120).—Shri J. C. Bhattacharjee, officiating Assistant Director (Admn) (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

### (ADMN. SEC. A-6)

#### New Delhi, the 22nd April 1978

No. A-17011/136/78-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Mangat Singh, Examiner of Stores (Met.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.) in the office of Dy. Director of Inspection (Met.), Bhilai under Jamshedpur Inspectorate w.e.f. the forenoon of 13th March, 1978 until further orders.

No A-17011/138/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri A. K. Chatteriee, permanent Examiner of Stores (Assaving) and officiating Junior Field Officer in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the Jamshedpur Inspectorate west, the forenoon of 20th March, 1978 purely on ad hoc basis until further orders.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

# MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th April 1978

No. 2765B.16/71/19A.—Shri Bal Rai Sharma, Superintendent (Hindi), Geological Survey of India is appointed on promotion as Hindi Officer in the same department on nav according to rules in the scale of pay of Rs. 650 30-740-35810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 23rd March, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

#### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th April 1978

No. EI-5359/913-H.—In continuation of this Office Notification No. EI-5297/913-H dated 1st Nov., 77. the ad hoc appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 30th June, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA, Major-General. Surveyor General of India

#### ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 22nd April 1978

No. 14/3/76M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan Director, (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Rajagiri Hill Fort at Glugee, South Arcot District, Tamilnadu for a period of 10 days from 8-5-78 to 17-5-78 (both days inclusive) on account of annual festival, of Devi Kamalakanniamman.

K. V. SOUNDARA RAJAN, Director (Monuments), for Director General.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the April 1978

No. 10/117/75-SIII.—Consequent on his selection for the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in Central Electricity Authority, Ministry of Energy/Department of Power (Group A) Service on the basis of the Combined Engineering Services Examination, 1976, Shri Harish Chandra, Assistant Engineer, High Power Transmitters, All India Radio, Chinsurah is relieved from the post of Assistant Engineer in All India Radio with effect from 11-2-73.

#### The 17th April 1978

No. 10/97/77-SITI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Rajasekaran to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Imphal with effect from 27-3-78.

# The 19th April 1978

No. 10/91/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri D. Siva Raju to officiate as Assistant Engineer at Upgraha Doordarshan Kendra, Cuttack with effect from 27-3-1978.

HARJIT SINGH.
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 12th April 1978

No. 2/13/67-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri A. B. Deb, Head Clerk, All India

Radio, Calcutta to officiate as Administrative Officer (Junior) at All India Radio, Kurseone with effect from 30-3-78 (F.N.) and until further orders.

#### The 17th April 1978

No. 10/75/61-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. K. Srivastava, Accountant, Directorate General, All India Radio to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Jullundur, with effect from 31-3-78 (F.N.) until further orders

#### The 19th April 1978

No. 3/40/63-SIL.—Director General. All India Radio is pleased to appoint Shri M. A. Ariff, Head Clerk, Regional Engineer (South), All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Calicus with offect from 20-3-78 (F,N.) until further orders.

C. G. SRINIVASAN,
Deputy Director of Administration
for Director General

#### New Delhi-1, the 15th April 1978

No. 5(26)/67-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Phadke, ad hoc Programme Executive, AIR, Ratnagiri as Programme Executive, at the same station in a temporary capacity with effect from 29-3-1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ, Deputy Director of Administration, for Director General.

#### DIRECTORATE GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 20th March 1978

No. A-22013/2/78-SIL.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri S. P. Singh, previously working as an Administrative Officer at High Power Transmitter. All India Radio Rajkot, as Senior Administrative Officer, at Upgraha Doordarshan Kendra, Hyderabad, in the scale of Rs. 650-1200 w.e.f. 20-2-1978 F/N until further orders

C. J. ARYA,

Deputy Director of Administration.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th April 1978

No. 9-40/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Amer Bir to the post of Homeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme Delhi on ad hoc basis with effect from the forenoon of 23rd March, 1978.

N. S. BHATIA, Deputy Director Administration (CGHS).

No. A.12025/8/77-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Seetharamaiah to the post of Drugs Inspector in the office of the Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Organition, North Zone, Ghaziabad on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 31st March, 1978 and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR, Drugs Controller (India) for Director General of Health Services.

New Delhi, the 18th April 1978

No. A.12025/8/77-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Surjit Kumar Sarkar in the post of Chemist (Group 'B' Non-gazetted) in the Government Medical Stores Depot, Calcutta with effect from the forenoon of the 27th March, 1978 and until further orders.

SANGAT SINGH,

Deputy Director Administration (Stores)

#### DELHI MILK SCHEME.

#### New Delhi-110008, the 22nd April 1978

No. 3-24/77-Estt(Spl).—The ad hoc appointment of Shri V. D. Kochhar in the post of Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) under Delhi Milk Scheme in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is further extended from 14-4-78 to 29-4-78 in the leave vacancy of Shri D. C. Bidani, Administrative Officer.

J. K. ARORA, Chairman.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 14th April 1978

No. DPS/23/4/77/Est/11709.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Chowannur Vijayan, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 21-2-1978 to 23-3-1978 vice Shri V. Krishnan, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Est./11742.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Jethl Wazirchand, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ud hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 10-4-78 to 20-5-78 vice Shri S. S. Pradhan, Assistant Purchase Officer granted leave.

#### The 18th April 1978

No. DPS/A/32011/3/76/Est.|12038.—Director. Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from March 13, 1978 (FN) to April 20, 1978 (AN) vice Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer.

#### MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 10th April 1978

Ref. MRPU.200(19) /78 / Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri R. Narayanan, an officiating Store Keeper in the Directorate of Purchase & Stores, Madras Atomic Power Project Stores Unit, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of 15-3-78 to 6-5-78.

S. RANGACHARY, Purchase Officer.

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 17th April 1978 ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/539.—WHEREAS it was alleged that Shri Mohd. Abdul Khader, while employed as T/C, MES, 11—66GI/78

has been remaining absent from duty without prior permission or without any intimation with effect rom 6-8-1977, and thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) read in conjunction with para 34 of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS the said Shri Khader was informed of the charges leveled against him, vide m.mo No NFC/rA.V| 20/3504 dated 27-11-1977, wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 7 days from the date of receipt of the said memorandum,

AND WHEREAS the said memorandum was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party out of station',

AND WHEREAS as required under para 41.2(ii) of the NFC Standing Orders, inquiry committee was constituted to conduct the inquiry, vide order No. NFC/PA.V/20/89 & 90 dated 9-1-1978.

AND WHEREAS Notice No. NFC/Adm/IRO/241-12 dated 9-1-1978, issued by the Inquiry Officer asking the said Shri Khader to present on 22-1-1978, was returned undelivered with the remark "continuously absent—seven days",

AND WHEREAS the inquiry proceedings were held exparte,

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted the inquiry report on 27-1-1978 holding the charges framed against the said Shri Khader as proved,

AND WHEREAS the said Shri Khader was issued with the show cause notice No. NFC/PA,V/20/393 dated 16-3-1978 asking him why he should not be removed from service,

AND WHEREAS the said Show Cause Notice was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'no such party',

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that said Shri Khader has committed a grave misconduct by remaining absent for an indefinite period without prior permission or any intimation and therefore he is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41 of the NFC Standing Orders read with para 43 ibid and the DAE Order No. 28(1)/68-Adm dated 3-12-1970, hereby orders that the said Shri Khader be removed from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR, Dy. Chief Executive.

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 14th April 1978

No. RAPP/04627/1(353)/78/Admn/S/421.— Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, Department of Aatomic Energy, P.O. Narora, Distt. Bulandshaft (U.P.), Shri Taj Mohd, a permanent Draftsman 'C' and officiating Scientific officer/Engineer Grade -SB in the Rajasthan Atomic Power Project relinquished charge of his post in the afternoon of 12th September 1977.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 20th April 1978

No. ADM-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Kamal Kumar Chatterjee as Scientific Officer/Engineer

Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 10, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN.

Sr. Administrative & Accounts Officer

### INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

#### SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 19th April 1978

No. SAC/EST/CA/MCSD/5/78.—The Director is pleased to appoint Shri Virendra Kumar Jain as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from March 13, 1978 until further orders.

S. G. NAIR

Head, Personnel & Gen. Admn.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 18th April 1978

No. A.31014/1/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in the grade of Assistant Technical Officer in a substantive capacity in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 1st March 1978:—

- 1. Shri G. R. Verma.
- 2. Shri R. V. Rao.
- 3. Shri P. Manickam.
- 4. Shri M. S. Adaikalam.
- 5. Shri R. G. Rao.
- 6. Shri P. K. K. Pillai.
- 7. Shri M. G. Sudershan.
- 8. Shri O. P. Bhalla.
- 9. Shri N. S. Khaira.
- 10. Shri J. K. Chopra.

No. A.32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. B. Minocha, Communication Assistant, ACS, Bombay as Assistant Communication Officer on an ad-hoc basis w.e.f. the 27th March 1978 (FN) and to post him at the same station vice Shri K. Gopalakrishnan, Assit. Comm. Officer granted earned leave for 115 days w.e.f. 1st March 1978.

#### The 22nd April 1975

No. A.32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers working as Technical Officer on ad-hoc basis, as Technical Officer on regular basis in the Civil Aviation Department w.e.f. 26th November 1977 (FN) and until further orders at the station indicated against each:—

- S. No., Name and Station of posting
- 1. Shri J. C. Gupta A.C.S. Palam.
- 2. Shri S. C. Dureja A.C.S. Palam.

S. B. SHARMA, Dy. Director of Admn.

#### New Delhi, the 15th April 1978

No. A.32013/9/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director, Research and Development to the post of Director, Research & Development, Civil Aviation Department, for the period from 1st March 1978 to the 29th April 1978 on an ad-hoc basis.

P. C. JAIN
Asstt. Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 19th April 1978

No. A.32013/3/77-EA.—The President has been pleased to appoint Shri M. P. Jam, to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity with effect from the 1st April 1978 and until furtuer olders. Shri Jam is posted at Satdarjung Airport, New Delhi.

No. A.32013/5/77-EA.—The President has been pleased to give proforma promotion to Shri A. V. Anand, Aerodrome officer at present on deputation to the International Airports Authority of India, Madras Airport, Madras to the grade of Senior Aerodrome Officer, with effect from the 5th November 1977 until further orders.

V. V. JOHRI Asstt. Director of Admn.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

#### Bombay, the 18th April 1978

No. 1/98/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. S. Chhatwal, technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 11th April 19/7 to 1st July 19/7 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/455/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Technical Assistant, Dehra Dun Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 31st January 1978 to 11th March 1978 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY

Administrative Officer

for Director General

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 20th April 1978

No. 5/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. 1/A/4/1978 dated 9th January 1978 issued under endt. No. II-22-Estt/78/44, dated 9th January 1978 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB—35—880—40—1000— EB—40—1200 Shri S. S. Sinha, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Group 'B' Central, Excise (Tech.), Hdqrs. Office Kanpur in the forenoon of 16th January 1978.

No. 6/78.—Shri R. N. Mathur confirmed Superintendent, Central Excise, Group 'B' Agra handed over the charge of Superintendent (Gold) Central Excise, Division Agra in the afternoon of 31st March 1978 to Shri D. S. Kakkar, Superintendent, Central Excise, Agra and retired from Government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31st March 1978.

No. 7/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9th January 1978 issued under endt. C. No. II-22/Estt/78/44, dated 9th January 1978 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 Shri M. L. Handa, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Group 'B' Central Excise, MOR II Meerut in the forenoon of 16th January 1978.

#### The 22nd April 1978

No. 1 (Hindi)'78.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official languages (use for official purposes of the union) Rules, 1976 I, K. P. Anand, Collector of Central Excise Collectorate, Kanpur, hereby notify the Central Excise Collectorate, Kanpur, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

K. P. ANAND Collector

#### Baroda, the 18th April 1978

No. 1/78.—Shri S. A. Kapadia, Superintendent of Central Excise Group-B, Ahmedabad Dn. II (Range VIII) retired on attaining the age of superannuation in the afternoon of 28th February 1978.

No. 2/78.—Shri R. Y. Gupte, Superintendent of Central Excise, Group-B Range V of Ahmedabad Division-II retired on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31st March 1978.

No. 3/78.—Shri A. L. Vohra, Assistant Collector of Central Excise, Group-A Baroda Division-I retired on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31st March 1978.

No. 4/78.—Shri I. R. Desai, Assistant Collector of Central Excise, Group-A Baroda Division-III retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31st March 1978.

K. S. DILIPSINHJI Collector of Central Excise, Baroda

### Patna, the 17th April 1978

C. No. II(7)1-ET/77/4235.—In pursuance of Directorate of Communications (Customs) New Delhi's Order No. 25/77, dated 31st December 1977, issued under F. No. 33/PT/Comms-77/16149, dated 31st December 1977 Lt. Col. (Retd.) S. Johri who was working as Communication, Officer, Ratnagiri Divisional Hqrs. in the Pune Collectorate, has assumed charge as Communication Officer, Customs, (Prev.) Collectorate, Patna in the forenoon on 6th February 1978 on transfer.

# The 24th April 1978 CORRIGENDUM

C. No. II(7)1-ET/77.—In this office Notification dated 29th September 1977 issued vide endt. even C. No. 11864, dated 7th October 1977 for the lines—"the following Probationers on completion of training appointed to the Indian Customs & Central Excise Service Group 'A' on the basis of the results of I.A.S. etc. examination have assumed charge as Superintendent Group 'A' Customs, Patna Collectorate as indicated below "the lines" the following Probationers on completion of training appointed to the Indian Customs & Central Excise Service Group 'A' on the basis of the results of I.A.S.E. etc. examination have assumed charge as Superintendent Group 'A' Central Excise, Patna Collectorate as indicated below" may be substituted.

A. M. SINHA Collector Central Excise

# CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 12th April 1978

#### CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 1/1978.—Shri V. D. Kanchager, Chemical Assistant Gr. I. Custom House I aboratory, Bombay has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of 10th May 1977 and until further orders.

No 2/1978.—Shri C. K. Viswanathan. Chemical Assistant Gr I Central Revenues Control Inhoratory. New Delhi has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Framiner in the same laboratory with effect from 18th May 1977 F.N and until further orders

No 3/1978—Shri S K. Prasad Singh Chemical Assistant or I Government Onium & Alkaloid Works Undertaking Phazimur has been provisionally promoted to officiate a Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 29th May 1977 F N and until further orders.

No 4/1978—Shri D K. Bansal Chemical Assistant Gr. I. Fovernment Onium & Alkaloid Works Undertaking Chazinur has heen provisionally promoted to officiate as Assistant

Chemical Examiner in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from 30th May 1977 F.N. and until further orders.

No. 5/1978.—Shri S. G. Desai, Chemical Assistant Gr. I, Central Excise H.P.C.L., Trombay has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 31st May 1977 F.N. and until further orders.

No. 6/1978.—Shri U. C. Seth, Chemical Assistant Gr. I, Government Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 31st May 1977 F.N. and until further orders.

No. 7/1978.—Shri I. T. Desai, Chemical Assistant Gr. I, New Custom House Laboratory, Bombay has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 31st May 1977 F.N. and until further orders.

No. 8/1978.—Shri L. B. Kandekar, Chemical Assistant Gr. I, New Custom House Laboratory, Bombay has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 31st May 1977 and until further orders.

No. 9/1978.—Shri K. L. Verma, Chemical Assistant Gr. I, Government Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur was promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi from 31st May 1977 to 16th June 1977 in the leave vacancy of Smt. Vatsala Venkatesan, Assistant Chemical Examiner. He has further been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from 17th June 1977 F.N. and until further orders.

No. 10/1978.—On transfer Shri D. K. Mazumdar, Assistant Chemical Examiner, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur has assumed charge in the same caoacity in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from 4th June 1977 F.N. and until further orders.

No. 11/1978.—On transfer Shri S. B. Singh, Assistant Chemical Examiner Government Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghaziour has assumed charge in the same capacity in the New Custom House Laboratory. Bombay with effect from 8th June 1977 F.N. and until further orders.

No. 12/1978.—On transfer Kumari S. A. Saroja, Assistant Chemical Examiner, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi has assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Bombay with effect from 29th June 1977 and until further orders.

No. 13/1978.—Kumari V. Sarda, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Custom House Laboratory Bombay with effect from 29th June 1977 F.N. and until further orders.

No. 14/1978.—On transfer Shri B. K Joshi. Assistant Chemical Examiner, Central Revenues Control I aboratory, New Delhi has assumed charge in the same canacity in the Custom House Laboratory, Madras with effect from 14th July 1977 F.N and until further orders.

No 15/1978—Shri Deepak Roy Chowdhary Chemical Assistant Gr. I. Digboi (Assam) has been provisionally promoted as Assistant Chemical Examiner in the New Central Freise I aboratory. Bombay with effect from 19th July 1977 FN and until further orders

No 16/1978—Shri T. S Bharatraian Chemical Assistant Gr I Regional Laboratory Central Excise, Baroda has been provisionally promoted as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory Bombay with effect from 31st October 1977 FN and until further orders.

No 17/1978—Shri B N Rov Chemical Assistant Gr J Government Onium and Alkaloid Works Undertaking Ghazinur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 9th January 1978 F.N and until further orders

No 18/1978.—Shri Chakadhar Dwedi Chemical Assistānt Gr I Government Opium and Alkaloid Works Undertaking Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 10th January 1978 F.N. and until further o ders.

No. 19/1978.—Shri R. S. Malhotra, Chemical Assistant Gr. I, Central Revenues Control Laboratory, New Delh. has been provisionally promoted to officiate as ACE in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from 301. January 1978 F.N. and until further orders.

No. 20/1978.—Shri R. S. Dhama, Chemical Assistant Gr. 1, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi was provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examples in the same laboratory from 6th February 1978 to 9th March 1978 in the leave vacancy of Smt. Vatsala Venkatesan.

No. 21/1978.—Shri V. B. Agarwal, Chemical Assistant G-I, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from 8th February 1978 F.N. and until further orders.

No. 22/1978.—Shri Satya Pal, Chemical Assistant Gr. 1, Central Revenues Control Laboratory. New Delhi has be provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 20th February 1978 F.N. and until further orders.

No. 23/1978.—On transfer Shri V P. Pandey Assistānt Chemical Examiner, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi has assumed charge in the same caracity in the New Central Fxeise Laboratory, Bombay with effect from 27th February 1978 F.N. and until further orders.

KESHAV PRASAD Deputy Chlef Chemist, Central Revenues

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-628004, the 29th March 1978

No. 6/6/78-Admn.—Chief Engineer and Administrator, Port of New Tuticorin is pleased to appoint Shri A. S. Viswanathan, Assistant Secretary, Tuticorin Port Trust as Assistant Secretary in the Port of New Tuticorin in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040 on deputation terms with effect from the afternoon of 6th March 1978 and until further orders.

D. I. PAUL Chief Engineer & Administrator

#### NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-110048, the 14th April 1978

No. 19/42/78-NWDT.—Secretary, Narmada Water Disputes Tribunal, appoints Shri M. R. Sewak, Senior Personal Assistant of the C.S.S.S. Cadre of Irrigation and Power, as Private Secretary in Narmada Water Disputes Tribunal, on deputation basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st April 1978, until further orders.

S. K CHANDA Administrative Officer

THE ANY DESCRIPTION OF

#### CENTRAL WATER COMMISSION

A RETENDED TO THE STORY TO A MENTAL MERCANISM

New Delhi, the 17th April 1978

No. A-32014/1'77-Admn. V (Vol. II)—On the recommedations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers, who are presently officiating in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on an ad hoc basis, on a regular basis in an officiating capacity, in the pay

sale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the dates shown against their names:

SI. No.	Name of Officer and Designation	Date from which appointed on regular basis	
1	2	3	
1,	Shri Jampa Jai Raju	19-9-77 (FN)	
2.	Shri K. A. Ouseph	2-2-78 (FN)	
3.	Shri P. Kunhahamed	10-1-78 (FN)	
4.	Shri K. K. Rajan	4-10-77 (F.N.)	
5.	Shri S. C. Pruthi	12-8-77 (F.N.)	
6.	Shri A. K. Guha	3-6-77 (F.N.)	
7.	Shri Kanwal Singh	3-6-77 (F.N.)	
8.	Shri K. T. Israni	3-6-77 (F.N.)	
9.	Shri M. C. Ramarakhiani	3-6-77 (F.N.)	

2 The above officers will be on probation for a period of two years with effect from the dates shown against each.

#### The 20th April 1978

No. A-19012/666/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri N. Subha Rao Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 24th August 1977 (F.N.).

Shri N. Subha Rao assumed charge of the post of Assistant Engineer, Drought Area Study Sub-Division No. II Cuddapah under Drought Area Study Circle No. II, Hyderabad w.e.f. 24th August 1977 (F.N.).

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd April 1978

No. 1/417/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 5th December 1977 given by Shri Ghansham Das Toteja, Architect, CPWD to retire from service. Accordingly Shri G. D. Toteja stands retired from service with effect from 10th March 1978 (FN).

KRISHNA KANT Dy. Director of Administrations

# CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 27th March 1978

No. 6/6/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. the dates shown against their names, until further orders:—

- Shri Ved Parkash 10-2-1978.
- 2. Shri Vikramjit Singh 13-2-1978.

S. BISWAS. Under Secy.

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

#### The 20th April 1978

No. E/55/III/91 P. III(O):—The following officers are confirmed in Class II service as Assistant Operating Supdt /Assistant Commercial Supdt. with effect from the date noted against each:

Sr. No.	Name of the officer	Date from Which confirmed.
1	2	3
	Shri H. N. Pakrashi Shri D. P. Bose	1-11-1977 1-1-1978

M. R. N. MOORTHY, General Manager

#### SOUTH CENTRAL RAILWAY

#### Secunderabad, the 15th April 1978

No. P-185/GAZ'Mech.—The undermentioned Officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers (on Probation) are confirmed in Class IV/Junior Scale of that service on South Central Railway with effect from the dates indicated against each:

Sl. No.	Name	Date from which confirmed
	Shri N. P. Gupta Shri V. Carmelus	21-12-1977 11-10-1977

T. M. THOMAS, General Manager.

### CENTRAL RAILWAY

#### Bombay, the 17th April 1978

No. HPS/220/G/M—The following Class II Officers of the Transport station (Power) and Mechanical Engineering Department are confirmed in Class II service from the dates shown against each;

SI. No.	Name	Date of confirmation	
1	2	3	
1.	Shri V. E. Srivastava	1-8-1975	
2.	Shri A. L. Kale	21-5-1976	
3.	Shri N. C. Srivastava	1- 8-1976	

P. R. PUSALKAR, General Manager

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of 'P.T.T. Chlt Fund and Finance Private Limited'

#### Pondicherry, the 17th April 1978

C. No. 71.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'P.T.T. Chit Fund and Finance Private Limited' has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies, Pondicherry In the matter of the Indian Companies Act 1913 and of Shii Sidhpur Textiles Private Limited (in Members Voluntary Liquidation)

#### Ahmedabad, the 18th April 1978

No. 355/Liq.—Notice is hereby given pursuant to subsection (4) of section 247 of the Indian Companies Act-1913, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shri Sidhpur Textiles Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Deccan Publishers Limited

#### Bombay, the 10th April 1978

No. 2708/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Deccan Publishers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE, Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra

Notice under section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Roadways & General Finance Pvt. Ltd.

#### Delhi, the 14th April 1978

No. Co. Liqn/2936/7160—By an order dated the 25th May 1976 of the Honble High Court of Delhi M/s Roadways & General Finance Private Limited has been ordered be wound up.

Notice under section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Asia Udyog Pvt. Ltd.

## Delhi, the 17th April 1978

No. Co. Liqn/1356/7337.—By an order date the 2nd February 1978 of the Hon'ble High Court of Delbi M/s Asia Udyog Private Limited has been ordered to be wound up.

Notice under section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Incomex Enterprises Pvt. Ltd.

### Delhi, the 17th April 1978

No. Co. Liqn/4885/7315.—By an order dated the 13th December 1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Incomex Enterprises Private Limited has been ordered to be wound up.

Notice under section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Rampur Food & Chemicals Pvt. Ltd.

#### Delhi, the 17th April 1978

No. Co. Liqn/5161/7340.—By an order dated the 29th July, 1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Rampur Food & Chemicals Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1978

Subject :- Establishment—Gazetted— Promotions—Posting and Transfer of Income-tax Officers.

Order No. 1/GO/1978-79.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date they take over as such:

#### S/Shri

- 1. Kewal Krishan
- 2. Kishori Lal
- 3. K. L. Mandora.

The promotion of Shri Kewal Krishan is being made against a clear vacancy and that of S/Shri Kishori Lal and K. L. Mandora against the two temporary vacancies caused by the suspension of S/Shri C. L. Soni and P. C. Chhatwal.

Shri S. L. Bahl who was promoted earlier against the temporary vacancy has been brought against the regular vacancy.

These promotions are subject to final orders of the Delhi High Court in C. M. P. 652/W of 1977 in C. W. P. 341 of 1977 pending before the court.

It is, however, clarified that in the event of return to duty on re-instatement of the officers concerned, the two promoted officers S/Shri Kishori Lal and K. L. Mandora will have to revert to the post of Inspector, if there is no other regular vacancy at that time.

Consequent upon these promotions the following rostings and transfers are ordered with immediate effect:

SI. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted	Remarks
1	2	3	4	5
	/Shri ewal Krishan	On promotion	Services placed at the disposal of C.I.T.(V).	
2. K	ishori Lal	On promotion	Services placed at the disposal of C. I. T. (III)	_
3. K	. L. Mandora	On promotion	I.T.O. Survey Range, New Delhi	

K. N. Bhutani Commissioner of Incometax

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 31st January 1978

Ref. No. CHD/47/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 220, Sector 19-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August, 1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Roshan Lal S/o Shri Ram Chand R/o H. No. 1558, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Shri Ram Lal, R/o Shop No. 25, Sabzi Mandi (Sector 26) Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons winin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential house bearing No. 220, Sector 19-A, Chandigarh. The total area of the plot is 500.50 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Chandigarh as per Sr. No. 497, dated 8-8-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 31-1-1978

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th April 1978

Ref. No. CA5/Karveer/Aug'77/354/78-79.—Whereas, ISMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 249-A/1/44, Nagla Park, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kolhapur on 1-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Indrasen Uttamrao Deshmukh, Ishani Bungalow, Khanapur Road, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Vikramsingh Jaysinghrao Ghatge, Opal Hotel, Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property CTS No. 249-A/1/44, E-Ward, Nagla Park Kohlapur.

(Property as described in the Sale Deed registered under No. 1603 dated 1-8-1977 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-4-1978.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 27th April 1978

Ref. No. 403/ $\Lambda$ cq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat 'A' on 8th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said A.t. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
12—66GI/78

(1) M/s, Saloni Ownership Flat Scheme Pvt. Ltd., 6, Harington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Smt. Latika Devi Smt. Sheila Chakravorty & Sri Manindra K1. Chakraborty all of 372/21, Russa Road (South) Calcutta-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

17

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A self contained flat being Flat 'A' on 8th floor in the building named 'Jay Jayanti', having three bed rooms, one living room, verandah, balcony and one servant's room situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 1-4075 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
(3rd floor) Calcutta-16.

Date: 27-4-1978

FORM JTNS---

(1) Shri Purshotam Dass Gupta

(Transferor)

(2) Shii Digvijay Tandon

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1978

Ref. No. 31-D/ $\Lambda$ cq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Cailanpur Pargana Basta, Distt Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandpur (Bijnore) on 12-8-1977 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land on plot Khasra No. 241 measuring 5 Bighas having a boundry wall including area of 500 sq. mtr. in which there two pukka Halls with 24 Hauz (Tanks). The property transferred is surrounded by:

East: Road

West: Land of Rajendra Pal Singh
North & South: Land & Building of Rajendra Pal
Singh

The property situated at village Cailanpur Pargana Basta District Bijnore. And all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2059 duly registered in the office of the Sub-Registrar Chandpur Distt. B jnore on 12-8-1977.

AMAR SINGH BISEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-4-1978

(1) Shri Prakash Chandra Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Pal Singh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1978

Ref. No. 126-R.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land & Building situated at Kailanpur, Pargana Basta Distt. Biinore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandpur (Bijnore) on 12-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land on plot Khasra No. 241 measuring 21 Bighas with 4 feet boundry wall covering an area of 209 sqr. meter with one room on the eastern side. On the 1/2 portion it is double storeyed and on the balance it is three storeyed. One room on the southern side, situate at Village Kailanpur Pargana Basta Distt. Bijnore, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed & from 37-G No. 2058 duly registered in the Office of the Sub-Registrar, Chandpur Distt. Bijnore on 12-8-1977.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 22-4-1978

(1) Smt. Sukh Dai

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th April 1978

Ref. No. 80-K/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN.

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 185 situated at Fathepur, Bichuwa, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Smt. Kanti Yadaya & Malti Yaday

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. 185 measuring 339 Sqr. Mtr. having two constructed rooms situated at Fathepur, Bichuwa, Allahabad and all that which mentioned in sale-deed and form 37-G No. 2650 dated 24-8-1977 registered at the office of Sub-Registrar Allahabad.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 24-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 18th April 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1415(651)/2-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 36/1 Balmukund Oil Mill, situated at Chital Road, Amreli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amreli on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vijayalaxmi Tulsidas Vithalani of Ahmedabad Power of Attorney holder of—
  - (i) Shri Sureshchandra Tulsidas &
  - (ii) Sudhaben Tulsidas— Lilia Road, Near Railway Crossing, Amreli. (Transferor)
- (2) Shri Balmukund Oil Mill
  - through partner—Shri Babu Jagjivandas Soni & Others, Kansara Bazar, Amreli.
  - Shri Chunilal Kanjibhai Patel, Managing Partner of Shri Balmukund Oil Mill, Amreli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to thee undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as Shri Balmukund Oil Mill situated at Chital Road, Amreli bearing S. No. 36/1, adm. 5121 sq. yd. land duly registered vide Sale-deed No. 1107 by the registering Officer of Amreli in the 1st fortnight of August 1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-4-1978

(1) Shri Mohanlal Mavjibhai Ambaliya, Nr. S.T. Bus Stand, Mahuva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramniklal Hargovinddas. Shri Kantilal Hargovinddas, Nutannagar Society, Mahuva.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1605(652)16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 266 of Nutan Nagar situated at Nutan Nagar Society, Near S.T. Bus Stand, Mahuva

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Mahuva on 1-8-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 4500 sq. ft. bearing plot No. 266, 'situated at Nutannagar Society, Mahuva, and as fully described in the sale-deed Registered vide R. No. 1445 dt. 1-8-77.

S. C. PARIKH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1606(653)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 443-B Plot No. 499 situated at Nalanda Society Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 23-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sarojben Ramniklal
 Patel Colony, Jamnagar.

 Rasiklal Velajibhai,
 Galaxy Apartments, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Alka Construction Co. Nalanda Society, 'Samir', Kalavad Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 984-8-6 sq. yds. bearing S. No. 443-B, Plot No. 4 & 9 situated at Nalanda Society, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide No. 2120 dated 23-8-77.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 15th April 1978

Ref. No. ARI/2075-16/Aug77.—Whereas, I, F. J. FER-NANDESZ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 198 of Malabar & Cumballa situated at Hill, Divn. Doogersey Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 19-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

S/Shri

(1) 1. Mrs. Aloo K. Surveyor,

2. Dr. Framroze M. Daruvala, 3. Framroze Cawasji Doctor,

Mrs. Alamai Jal R. Surveyor,

Mrs. Adaniai Jai K. Surveyor,
 Jer Shiavax Khambatta,
 Khurshed C. Chinoy,
 Morzban Dady Naegamwalla,
 Miss Notamai C. Doctor,
 Miss Jer M. Daruwala,
 Miss Piroja N. Daruwalla,
 Dady D. Naegamwalla,
 Vispi S. Khambatta,
 Reian Framroze Doctor

13. Bejan Framroze Doctor.

Shirinbai Jal Driver, and

15. Mrs. Dhun B. Dalal.

(Transferor)

S/Shri

(2) 1. Samarthmal Phoolchand Seth,

2. Dushyant Jayantilal Shah, 3. Mahesh Ramanlal Vakharia

4. Mrs. Villashben Jayantilal Shah, 5. Rajnikant Chandulal Vakharia, and

6. Devichand Sommal Seth.

(Transferee)

(3) Tenants Shri Narayanlal B. Pittie & Family. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The term's and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed 639/75/Bom and as registered on 19-8-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date: 15th April 1978

### FORM ITNS----

(1) (1) Shri Pukhraj C. Bafna (2) Sri Liachand C. Bafna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Veena Happy Home Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th April 1978

Ref. No. ARI/2062-3/Aug 77.—Whereas, I, F. J. FER-NANDES

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. 587 of Malabar & Cumballa Hill Divn situated at 28A Nepean Sea Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 42/ 76/Bom, and as registered on 10-8-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

> F. J. FERNANDES Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date : 17th April 1978

Seal:

13---66 GI/78

#### FORM ITNS----

(1) L. K. Market and Investment Co. Pvt. Ltd.

(Transferor

(2) Shahidhar Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th April 1978

Rcf. No. AR-I/2069-10/Aug.77.—Whereas, I, F. J. FER-NANDES

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing

C.S. No. 762 of Mala. & Cum. Hill Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri
(1) 1. Smt. S. D. Mcdhekar,
2. Smt. N. D. Malvi,
3. Shri K. Jhaveri,
4. Smt. M. M. Laghate,
5. Smt. S. J. Shah,
6. Shri J. Q. Patel,
7. Smt. S. J. Kothari,
8. Smt. P. J. Mehta,
9. Shri S. V. Sheth,
10. Shri J. K. Sonavala,
11. Smt. K. C. Rajwade,
12. Shri C. K. Shah,
13. Mrs. Sugandha Laghate,

12. Shri C. K. Shan,
13. Mrs. Sugandha Laghate,
14. Partner of H. V. Stores
15. Shri K. L. Dalal,
17. M/s. S. B. & Co,
18. Shri A. K. Bhagwati,
19. Smt. V. V. Doshi,
20. Smt. D. P. Shah,
21. Shri J. N. Padia,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of, 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 809/70/Bom and as registered on 10-8-1977 with the sub-Registrar, Bombay

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay.

Date: 17th April 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP 167/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at V. Jandiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Newan Shehar on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parminder Singh s/o Shri Davinder Mohan, Bir Singh,

R/o village Jandiala, P.S. Banga.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Hukma Singh, Village Kalara, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 14 marlas in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 2929 of Oct., 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 17-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP No. 168/NWS/78-79.—Whereas, P. N. Malik being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at V. Jandiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Newan Shehar on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shii Davinder Mohan, Vir Singh, S/o Shri Charanjit Singh, Village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transicion)

(2) Shri Sukhvir Singh S/o Shii Joginder Singh, Village Kalaran, Teh. Nawan Shehar.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

34 Kanals and 14 marlas of agricultural land in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 2987 of October, 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 17-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP169/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value—exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated at V. Matupota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

(1) Shri Bhuja Singh s/o Shri Nathu Singh, Village Malupota, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh Urf Surinder Singh Thind S/0 Shri Pritam Singh, Village Malupota, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals and 3 marlas in village Malupota as mentioned in sale deed No. 3021 of Oct., 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 17-4-1978

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Rcf. No. A.P. 170/BLC/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Balachaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachaur on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rawal Chand, Shri Hukam Chand Ss/o Shri Amin Chand, Smt. Prem Devi D/o Shri Rasal Singh, Village Balachaur.

(Transferor)

(2) Shri Kanshi Ram s/o Shri Devi Dayal, Village Balachaur

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals in Balachaur as mentioned in sala deed No. 1171 of October, 1977 registered with the S.R. Balachaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bherthda.

Date: 17-4-1978

#### FORM ITNS ----

ray (massings) in the company of the

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. A.P.171/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 2698 of the Incomestax Act. 1961 (43 of 1961)

urder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Oct 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefore by more than blace ... unjudippisuos by tent pur unjudippisuos tudiedde yons jo tudo for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Faquir Chand
 Sho Shri Rameshwar Dass
 Sho Shri Ram Gopal,
 R/o Moga.

Termination (Prince of the State of State of the State of State of

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta S/o Shri Jai Ram Dass S/o Shri Karta Ram through the Headmaster, Govt High School, Village Dalla, Tch. Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house on Ramganj Road in Moga as mentioned in sale deed No. 4880 of Oct., 1977 registered with the S. R. Moga.

P N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 17-4-1978

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP.177/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Village Mall Ke

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kchar Singh, Shri Kartar Singh Urf Kikkar Singh S/o Smt. Sobhi wd/o Shri Maghar Singh, Village Dusangh, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) Shri Bikkar Singh S/o Shri Rattan Singh S/o Shri Tirlok Singh, Village Mall Ke, Teh. Moga.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offificial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 4 marlas in village Mall Ke as mentioned in sale deed No. 5997 of Dec., 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Luspecting Assistant Commishioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 17-4-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP.178/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Village Kotli

ted at Village Kotli
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Bholath on November, 1977

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
    of the transferor to pay tax under the said Act, in
    respect of any income arising from the transfer;
    and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

14-66 GI/78

 S/Shri Mohinder Singh, Mann Singh Ss/o Shri Kishan Singh, Village Kotli (Kapurthala).

(Transferor

- (2) S/Shri Resham Singh, Rachhpal Singh, Surjit Singh Ss/o Shii Pargan Singh, Village Buttala, Teh. Bholath.
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 10 marlas in village Kotli as mentioned in registration deed No. 1459 of November, 1977 registered with the S.R. Bholath.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 17-4-1978

#### FORM ITNS-

(1) Sodhi Malwinder Singh S/o Shri Avtar Singh, Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. A.P. 179/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. Malik being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at Village Sodhi Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Pritam Singh, Shri Gurbachan Singh Se/o Shri Wasawa Singh S/o Shri Prem Singh, R/o Village Sodhi Nagar, Teh, Ferozepur, (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2874 of September, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 17-4-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. A.P.180/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. AS PER SCHEDULE situated at V. Bukan Khan Wala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jinda Singh s/o Shri Ganda Singh, R/o village Bukan Khan Wala, Tch. Ferozepur.

(Transferor)

- (2) Shri Jit Singh, Shri Kartar Singh Ss/o Shri Bohar Singh, R/o Village Bukan Khan Wala, Teh. Ferozepur.
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals and 3 marlas in village Bukan Khan Wala, as mentioned in sale deed No. 2734 of September, 1977 registered with the S.R. Ferozenur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 17-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. A.P.181/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MAUK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kaushalya
 W/o Shri Rashtrinder Kumar Gupta
 S/o Shri Behari Lal,
 Ram Ganj Road, Moga
 Through Shri Chanan Ram.

(Transferor)

 (2) Smt. Chameli Devi w/o Shri Pokhar Mal s/o Shri Ram Sahai
 S/o Shri Dhanshi Ram,
 H. No. B-IX/925 Ram Ganj,
 Gali No. 2, Moga.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house situated in Ramganj in Moga bearing No. B-IX/925 as mentioned in sale deed No. 4522 of September, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 17-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ΛCQUISITION RANGE-II, **MADRAS-6**

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 16, situated at Old Khandarvakattai (17-74 acres) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Thanjayur (Doc. No. 2189/77) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the og asideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Smt. Anjalaammal W/o Shri Karuppiah Udayar;
  - 2. Shri K. Swaminathan
  - 3. Smt. S. Mahamayi, W/o Soundararaja Udayar;
  - Smt. Thunikodi ammal, W/o Singaravel Udayar, Pudu Nagar village, Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. Chockalingam S/o Shri Kasi Chettiar, Nemathanpatti, Karaikudi Taluk.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.74 Acres of land bearing Survey No. 16 Old Khandarvakottai village. (Document No. 2189/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/Aug/77.--Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 16 situated at Old Khandarvakottai village (17.74 Acres) (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ISR I, Thanjavur (Doc. No. 2190/77) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conisderation and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Smt. Anjalai ammal W/o Late Karuppiah Udayar;
  - 2. Shri K. Swaminathan S/o Late Karuppiah Udayar;
- 3 Smt. Mahamayi,
  - W/o Soundararaja Udayar;
    4. Smt. Thanikodi ammal W/o Singaravel Udayar;
    Pudu Nagar village, Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Arunachalam Chettiar, S/o Shri Palaniappa Chettiar Kothamangalam, Karaikudi Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.74 Acres of land bearing Survey No. 16, Old Ghandarvakottai village. Document No. 2190/77.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/Aug/77.--Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1/3, situated at Old Khandarvakottai village (17.74 Acres)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Thanjavur (Doc. No. 2191/77) on August 1977 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Anjalai ammal W/o Late Karuppiah Udayar;

- 2. Shri K. Swaminathan S/o Late Karuppiah Udayar;
- 3. Smt. Mahamavi, W/o Soundararaia Udayar:
  - Smt. Thanikodi anımal, W/o Singaravel Udayar. Pudu Nagar village. Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri C. A. C. Arunachalam Chettiar, S/o Shri Chinna Karuppan Chettiar, Pallathur, Karaikudi Taluk,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.74 Acres of land bearing Survey No. 1/3, Old Ghandarvakottai village. (Doc. No. 2191/77).

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1/3, situated at Old Ghandarvakotti village (17.74 Acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Thanjavur (Doc. No 2192) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appareat consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt. Anjalai ammal W/o Jato Shri Karuppiah Udayar;
  - 2. Shti Swaminathan
  - S/o late Shri Karuppiah Udayar;
  - 3 Muthusami (Minor);
  - Nehru (Minor);
     Minors represented by Λnjalai ammal;
  - 5. Smt. Mahamayi W/o Soundararaja Udayar;
  - 6. Smt. Indirani W/o Shri Dharmalinga Ulayar;
  - 7. Smt. Thanikodi ammal W/o Shri Sinara Velu Udayar;
  - 8. Ramachandran (Minor);
  - 9. Kamaraj (Minor) and
  - Kala Rani (Minor) (Minors 8, 9, & 10 represented by Smt. Thanikodiammal Pudunagar village, Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri SP Manickam ChettiarS/o Shri Subramanian ChettiarNo. 30 Coral Merchant St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.74 Acres of land bearing Survey No. 1/3 Old Ghandarvakottai village, Doc. No. 2192.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

#### FORM ITNS...

\_\_\_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/August/77.-Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to Act'), have reason to believe 'said that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17.74 Acres situated at Survey Nos. 15/3; 14; 21/1; 21/2; and 16, Old Ghandarvakottai village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

ISR I Thaniavur (Doc, No 2193) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-15-5501/73

- (1) 1. Smt. Anjalar ammal W/o late Shri Karuppiah Udayar;
  - 2. Shri Swaminathan 3. Muthusami (Minor);

Nehru (Minor);

Minors represented by Smt. Anjalai ammal;

5. Smt. Mahamayi W/o Soundararaja Udayar;

Smt. Indirani W/o Shri Dharmalinga Udayar;

Smt. Dhanakodi ammal

W/o Shri Singaravel Udayar;
8. Ravichandran (Minor);
9. Kamaraj (Minor) and
10. Kala Rani (Minor)
(Minors 8, 9, & 10 represented by No. 7) Pudunagar village, Pudukottai Taluk.

(Transferors)

(2) Smt. R. Nachammai Achi D/o Shri Pl.. Ramanathan Chettiar, 2-A, Purasawalkam High Road, Madras-7

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.74 Acres of land bearing Survey Nos. 15/3; 14, 21/1, 21/2 and 16, Old Ghandravakottai village (Doc. No. 2193/

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/August/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Survey No. 16, situated at Old Ghandarvakottai village (17.75 Acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Thanjavur (Doc. No. 2194/77) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Anjalai ammal W/o Shri Karuppiah Udayar;
  - Shri K. Swaminathan S/o Shri Karuppiah Udayar;
  - 3. Smt. S. Mahamayi, W/o Soundararaja Udayar;
  - 4. Smt. Thanikodi ammal, W/o Singaravel Udayar. Pudunagar village, Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. N. Palaniappan, S/o Shri Narayansami Chettlar, No. 985, T.H. Road, Madras-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

17.5 Acres of land bearing Survey No. 16, Old Ghandarvakottai village (Doc. No. 2194/77).

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date 22-4-78

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3952/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 10,

situated at Old Ghandarvakottai village (17.75 Acres) (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

- JSR I Thanjavur (Doc. No. 2195/77) on August 1977
  for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) 1. Smt. Anjalai ammal W/o Shri Karuppiah Udayar;
  - 2. Shri K. Swaminathan S/o Shri Karuppiah Udayar;
  - 3. Smt. S. Mahamayi, W/o Soundararaja Udayar;
  - Smt. Thanikodi ammal, W/o Singaravel Udayar. Pudunagar vallage, Pudukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. N. Palaniappan S/o Shri Narayanan Chettiar, No. 985, T.H. Road, adras-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17.75 Acres of land bearing S. No. 16, Old Ghandar-vakottai village (Doc. o. 2195/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

#### FORM TINS -

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. F. 3956/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vadakuthu village, situated at S. No. 357/2; 358/1; 358/2; 358/3; 358/5, 358/8; 358/12; 357/4 and 358/9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at Kurinjipadi (Doc. No. 1826/77) on 23-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Ramadas Reddiar, S/o Shri Rengaraj Reddiar, Parvathipuram, Vadalur, Cuddalore Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Gangappa Paper Mills Ltd. Represented by Shri T. G. Krishnamurthy, Managing Director, No. 65/1 Kollamvar Agraharam Road, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vadakuthu	village:		
	Survey No.	Exter	ıt.
		A٠	C.
	357 - 2	1	0.3
	358 • 1	0	94
	358.2	0	76
	358.3	0	64
	358 • 5	0	70
	358 • 8	0	91
	358 - 12	0	73
	357 • 4	0	56
	358.9	1	14
		7	46

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

## NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3956/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vadakkuthu village situated at S. Nos. 352/1; 354; 355; 357/1; 357/3; 357/4; 357/5; 582/2; 358/7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurinjipadi (Doc. No. 1856/77) on 25-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramaraj Reddiar, S/o Shri Nalliyappa Reddiar, Parvathipuram, Vadalur, Cuddalore Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Gangappa Paper Mills Ltd. Represented by Shri T. G. Krisbnamurthy, Managing Director, No. 65/1 Kollamvar Agraharam Road, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vadakkuthu	village:		
	S. No.	Extent	
		$\mathbf{A}_{\bullet}$	C.
	352/1	2	70
	354	0	37
	355	0	93
	357/1	0	50
	357/3	2	09
	357/4	0	98
	357/5	0	62
	358/2	0	78
	357/6	0	55
	358/7	1	50
		 11	02

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3958/August/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 1645 situated at Vishnu Kanchi village-97 Cents (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. IV Kancheepuram (Doc. No. 1150/77) on 29-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri K. S. Munnuswami Mudallar;

Shri K. M. Subbarayan;
 Shri K. M. Kumanan;
 Shri K. M. Elampirai;
 Gandhi Road, Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Shri M. Arumugham Shri M. Annamalai Shri M. Selvaraj No. 33-5 Kotrampalayam St., Kancheepuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

97 Cents comprised in T.S. No. 1645 of Vishnu Kancheo village, Kancheepuram Town 2nd Division.

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-6.

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3959/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

60 Subbaroyar Nagar,

situated at Cuddalore (2632½ Sq. ft.) (Eastern side) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II Cuddalore (Doc. No. 1450/77) 27-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. Murasoli;
 S/o Shri Muthiya Mudaliar,
 No. 3 Balaji Avenue,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) V. Balu (Minor) S/o Shri D. Velusami Represented by father and natural guardian Shri D. Velusami No. 50 Subbaroya Nagar, Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2632½ Sq. ft. (with building) (Eastern side) bearing Door No. 60, Subbaroyar Nagar, Cuddalore. Doc. No. 1450/77.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 22-4-78

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri M. Murasoli: S/o Shri Muthiya Mudaliar, No. 3 Balaji Avenue, Madras-17.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3959/August/77.—Whereas, 1, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

60 Subbaroyar Nagar, at Cuddalore (2632; Sq. ft.) (Western side)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering JSR II Cuddalore (Doc. No. 1451/77) on 27-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Shrl D. VelusamiS/o Shri Dhandapani Chottiar,No. 50 Subbaroyar Nagar, Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2632½ Sq ft. (Western portion) (with building) bearing Door No. 60, Subbaroyar Nagar, Cuddalore.

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-4-78

(1) Shri R. Thiagarajan No. 128 Bhawanandhan Lane, North Main St., Thanjavur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Narayanamurthy No. 8 Elumalai St., West Tambaram, Madras-45.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd April 1978

Ref. No. 3960/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8 Elumalai St. situated at West Tambaram, Madras (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tambaram (Doc. No. 684/77) on 20-8-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-16-66GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 8, Elumalai St., West Tambaram, Madras.

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date · 22-4-78

 Hugh Benson Dumount & Marle Josephine Dumont No. 52, Laporte St., Pondicherry-1.

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Fabre Benoil
2. Fabre Pascale
Convent St., Ozhavarkarai.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. 3963/Augurt/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 3/22 Church Street, situated at Reddiyarpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai (Doc. No. 720/77) on 25-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 3/22 Church Street, Reddiarpalayam, Ozhavarkarai Commune.

K. PONNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1978

(1) Shri A. V. Krishnamurthy lyer, S/o Shri Venkatrama Iyer, Andar St., Kulithalai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. S. Thilakan S/o Shri K. R. Srinivasa Iyengar, Muthuboopalasamudra Agraharam,

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1978

Ref. No. 3967/August/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 469/2, 470 & 473, situated at Kalladai Village (12.02 Acre)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Manaparai (Dec. No. 1751/77) on 20-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

12.02 Acres of land bearing S. Nos. 469/2; 470 and 473, Kalladai village (with sheds).

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. 3972/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act5), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, Bader Sahib St. situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1259/77) on 26-8-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kannammal W/o Shri Loganatha Gramani No. 62 Vaa. Voo. C. Street, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Smt. Selva Asoththammal W/o Shri Selva Rajendran, No. 11 Bader Sahib St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 11 Bader Sahib Street, Pondicherry.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No 4392/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3/329, S. No. 149, situated at Konavakarai, Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 596/77) on 12-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- 1. Shri K. K. Joshee Gowder;
   2. Smt. M. Rukki ammal;
   3. Smt. I. Rukki Ammal;

  - 4. B. Saradha; 5. B. Taramani;
  - 6. K. R. Hali ammal; 7. K. R. Bhojan;

  - 8. Shri R. Dharmalingam; 9. Shri R. Ramakrishnan;

10. Smt. R. Lakshmi;11. Smt. K. R. Sundari, Konavakarai hemlet, Coonoor Taluk.

(Transferor)

(2) Konavakarai Tea Plantation Konavakarai, Coonoor Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

18 Cents of land (with building) bearing Door No. 3/329 (Old Door No. 4/66) (S. No. 149) Konavakarai Panchayat, Kotagiri.

> K. PONNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-2-1978

oflicer at

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## 1AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

#### Shri N. Sami Naidu, Ammapatty, Amandakadavu village, Udumalpet Taluk.

(Transferor)

(2) Shri M. S. D. Sampath, 6/564 Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. 4394/August/77.--Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/563 and 8/564, situated at Trichy Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

JSR 1 Combatore (Doc. No. 1651/77) on 6-8-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 6143 Sq. ft. (with building) bearing Door No. 8/563 and 564 (T.S. No. 10/1739 Part) Trichy Road, Coimbatore.

K. PONNAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. 4402/August/77.-Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 276/2; 404/2, 404/1A, situated at Gudaloor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. No. 609/77) on 23-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rema Jayaraj W/o Shri S. Jeyarat, Woodbriar Fstate, Devarshola P.O., Gudalur, Nilgiris.

(Transferor)

(2) Minor Senthil Kumar S/o Shri T. Gundan; Shri T. Gundan S/o Shri Thatha Gowder Melur House, Havelock Road, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gudalur village :

S. No. 276/2 404/2 404/1A1 Extent 3 Acres 9.57 Acres 2.00 Acres

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. 4402/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

276/1A1, 276/3 and 276/2 situated at Gudalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. No. 610/77) on 23-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Kuttan Kausalya Krishnan Kutty Widow of V. K. Krishnan Kutty, Woodbriar Estate, Dovarshola P.O. Nilgiris.

(Transferor)

(2) Smt. Sarada Gundan W/o Shri T. Gundan, Melur House, Havelock Road, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gudalur village: S. No.

276/1A1 276/3 276/2 Extent A. C. 3 18 0 25

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6. the 27th March 1978

Ref No. 4403/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to -3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

32/21A Telegu Brahmin St. situated at Colmbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR I Colmbatore (Doc. No 1701/77) on 18-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason o believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—66GI/78

(1) Shri P. S. Ramachandra Rao S/o Shri P. Srinivasa Rao 24/21 Telugu Brahmin St. Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Adaikammai Achi @ L. Mangalam W/o Shri A. R. Lakshmanan Chettiar, 29/209 Sukrawarpet St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1440 Sq. ft. (with building) bearing Door No. 32/21 Part (New T.S. No. 7/601 Part) Telugy, Brahmin St., Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-6.

Date: 27-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6

Madras-6, the 19th April 1978

Ref. No. 4421/Sept/77.—Whereas, 1, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Brigadier Seth Thomas Apear I.A. (Retd.)
  Temporarily residing at Bangalore Club,
  Bangalore.
  - 2. Mrs. Ilka Nessi Callenburg Apcar Wo Shri S. T. Apear.

(Transferor

(2) Philip John S/e Dr. John Philip 'Icklesham' Coonoor.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
  45 days from the date of publication of this notic
  in the Official Gazette or a period of 30 days fro
  the service of notice on the respective period
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa immovable property, within 45 days from t date of publication of this notice in the Offici Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An extent of 1.40 Acres of land together with a build known as 'Icklesham' in R.S. No. 607 of Coonoor Town.

K. PONN.
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-II, Madra:

Date: 19-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. 4503/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

32/21 Telugu Brahmin St situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore (Doc. No. 2177/77) on 18-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. S. Ramachandra Rao, No. 24/21 Telugu Brahmin St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Adaikammai Achi @ L. Mangalam, No. 29/209 Sukravarpet St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

transition:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 32/21 Telugu Brahmin St., Coimbatore (Doc. No. 2177/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 18th April 1978

Ref. No. 5748/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing 422/2, 422/3A, 424/1, 424/3A, 424/3C, 425/4A, 425/4C, 430/3A, 452/9, 453/2 and 454 Dasagamugipettai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras North (Doc. No. 2176/77) on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) 1. Shri S. RM. ST. Narayman Chettiar.
  - 2. N. L. NV. Narayanan Chettiar, 3. Shri N. Narayanan, No. 4 Kuttu Pillai St, Chidambaram. (Transferor)
- (2) 1. Shri V. K. Arumugham;2. Shri Shanmugham;3. Shri Mailappan;

  - 4. Shri Natarajan;
  - 5. Shri Bakthavachan;6. Shri Dakshinamurthy;
    - Shri Thamsimani, Dasamugipettai, Thirukkazhukundram, Chingleput,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property maybe made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dasagamugipettai :	
Survey No.	Extent
·	A. C.
422/2	4 68
422/3A	2 68
424/1	0 14
424/3A	3 37
4 <b>24/</b> 3C	5 <b>58</b>
425/4A	1 93
425/4C	5 63
430/3A	0 57
452/9	0 22
453/2	4 58
454	8 46
727	0 40
	27 64
	37/84
( a 51/ t)	
and 2 Wells	

K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-4-78.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F.5754/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11. Central Avenue Road situated at Srinagar Colony, Madras-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Saidapet, Madras (Doc. No. 523/77) on 4-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

cilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Leelavathi Rajagopalan,
 Dr. V. Rajagopalan,
 No. 15 Munuswami Mudaliar colony Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Brigadier P. Sankaran Nair. No. 10A, Kasturi Estates, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3.35 Grounds (with building) bearing Door No. 11 Central Avenue Road, Sree Nagar Colony, Madras. (Block No. 4, T.S. No. 35).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 27-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Swastik Construction Company at III-S.D. Road, Secundorabad,

(Transferor)

 Sri Hari Kishan Soni, H. No. 14-2-332/1 at Gyanbagh Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 9/78-79,—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

339, 340, 341 situated at Chandralok Complex, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on 3-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 339, 340 and 341 in IIIrd floor of Chandralok Complex, at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1403/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978.

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ret. No RAC No. 10/78-79—Whereas, I, K. S. VI NKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 3-6-713 situated at Himayatnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. R. Nataranjan, G.P.A. holder mother, Smt. P. K. Kunjammal, 82-T.S.V. Koil Street, Mylapur, Madras-600004.

(Transferor)

(2) St. Joseph's Education Society, H. No. 3-5-899 Himayatnagar Hyderabad. Represented by its Secretary Sti U Gregory Reddy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

M. No. 3-6-713 at Himayatnagar, Hyderabad total area 751 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2279/77 with the registral, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Rel. No. RAC No. 11/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 5-7-637/24, 25 situated at Station Road, Nizamabad, tand more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on August 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following sersons, namely:—

Smt. Laxmibai,
 W/o Shri Madanlal Agarwal,
 Smt. Leela Bai,
 W/o Shri Shankerlal Agarwal,
 both residing at H. No. 15-1-1 Osmanguni,
 Hyderabad.

('Fransferor)

(2) Smt. Battu Subdrabai,
W/o Shri Battu Ganga Ram.
2. Smt. B. Bhaghyalaxmi,
W/o Shri Chandra Mohan,
both residing at H. No 4/823, Jawahar Road,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops bearing M. No. 5-7-637/25, and part of Mulgi. No. 5-7-637/24 and two rooms & Balcony on the First floor part of Building known as "Jagdeeshni Kethan", Station Road, Nizamabad, registered vide Doc. No. 2768/77 with the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 12/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-7-637/23 & 23 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on August 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-66 GI/78

Smt. Laxmibai,
 W/o Shri Madanlal Agarwal,
 Smt. Leela Bai,
 W/o Shri Shankerlal Agarwal,
 both R/o H. No. 15-1-1 at Osmangunj,
 Hyderabad.

(Transferor)

Smt. Battu Subadrabai,
 W/o Late. Ganga Ram
 Smt. B. Bhaghya Laxmi,
 W/o Shri Chandra Mohan,
 both R/o H No 4/87 Jawahar Road,
 Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shops bearing M. No. 5-7-637/23 and part of Shop No. 5-7-637/24 with rear open space and two rooms & Balcony on the 1st floor of Building known as "Jagdesh Niketan" at Station Road, Nixamabad, registered vide Doc. No. 2767/77 with the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 13 '78 79 - Whereur, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1951), (herminafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-3-264 265 266 situated at Immuratbazar, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pepi tration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. Fa respect of any income arising from the transfer; and/ OΤ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Sri Shaik Abdulla Sabri,

  - Shaik Ahmed,
     Sti Shaik Farooq Ali, all R/o behind Mohan Talkies, Phulong. Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. R. Anasuya,W/o Sri R. Laxmi Narasaih,H. No. 5-3-264 /umerat Bazar, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

#### THE SCHEDULE

Two Malgees and house No 5-3-264, 265, 266 at Zumeratbarar Nizamabad, registered vale Doc. No. 2570/77 with the Sub-Regist, Nixamabad.

> K. S. VENKATARAMAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC No. 14/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (he.cinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 5-3-875 situated at Malakunta, Moz. market,

(and more fully described in the schedule

Hyderabad.

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any monys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Jri Sritam Ahuja,
 S/o Sri Hardas Singh,
 R/o 1st floor of 3-Aces, Building,
 Abid Road Hydernbad.

(Transferor)

(2) Sri Hasaram, S/o Khanchand, C/o Karachi Bekry, at Mozamzahi Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze to or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period separes late:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: the terms and expressions used herein as age defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of the building with land bearing M. No. 5-3-875 at Malakunta in an Mozamzahi Market, Hyderabad, registered vid Occ. No 2373/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 14-4-1978,

Sri Sricam Ahuja,
 S/o Sri Hardas Singh Λhuja,
 R/o 1st floor of 3-Aces, Building,
 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 15/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-3-875 portion situated at Moz. market, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Sri Narayandas, S/o Khemchand, C/o Karachi Bakery, at Mozamzahai Market, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of building with land bearing M. No. 5-3-875 at Malakunta, near Mozamzahi Market, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2374/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-4-1978.

 Sri Sriram Ahuja, S/o Sri Hardas Singh Ahuja, R/o 1st floor of 3-Aces, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Devandas, S/o Khemchard, C/o Karachi Bekery near Mojamzahi Market, Hyderabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 16/78-79.—Whereas, I, K. S.

VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 5-3-875 situated at Malakunta,

Hyderabad,

(and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on August 1977

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of the building with land bearing M. No. 5-3-875 at Malakunta, near Mozamzahi Market, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2375/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 14th April 1978

Ref. No. RAC. No. 17/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 15-8-510, 511 situated at Feelkhana, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Doodbowli, Hyderabad on 26-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Varinder Singh Lamba, H. No. 221, Bottom Road-Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Afzal Begum, 2. Sayecda Begum, 3. You-suffunnisa Begum, 4. Iqbal Begum, 5. Nafees Begum, 6 Amena Begum, all residing at H. No. 15-8-510, 511 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 15-8-510 and 511, A.B.C. situated at Feelkhana, Hyderabad, registered vide Doc. No. 667/77 with the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 18/78-79.—Whereas, I, K, S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-903 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sogra Begum, W/o Hashim Amir All. H. No. 6-3-903/1 Somajiguda, Hvderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Fakrunnisa Begum, W/o Mohd. Sharfuddin Khan, H. No. 6-3-903 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6-3-903 at Somajiguda, on a land area of 1458 Sq. Mts. purchased through Doc. No. 2402/77 dt. 12-9-1977 registered with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 19/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2-1-502 & 503 situated at Nallakunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Badri Narayana Narania,
  - 2. Smt. Sumitra Bai Narama,
  - 3. Dr. Brij Lal Narania,
  - Mrs. Chitra Lekha Sharma, residing at H. No. 4-2-400 Sultan Bazar, Hyderabad.
  - Vinod Kumai H. No. 4-2-400 Sultan Bazar, Hyderabad.
- (2) 1. Sri Sree Kishen,
  - 2. Sri Om Prakash,
  - 3. Sri Satvanaravna.
  - 4. Sri Jagdish,

No. 3 and 4 arc minors guardian shop of mother Smt. Kausalia Bai, all residing at H. No. 1-8-56/1 Chikkadpally, Hyderabad,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House and open plot of land bearing Nos. 2-1-502 and 503 at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2084/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Rol. No. RAC. No. 20/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-8.55 & 55/A situated at Chikkadpally Hyderabad, (and more fully described in the Schedule

aunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Ashokkumar, S/o Satyanarayan, H. No. 14-10-1083 Dhoolpet, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Udharam Nanwani, S/o Bassaramal Nanwani, H. No. 22, Wadhumal Mansion, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 1-8-55 and 55/A at Chikkadpally, Hyderabad, admeasuring 55 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2150/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-4-1978.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 21/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair mortlet value exceeding Pb. 25,000/- and bearing No.

Open plot in St. No. 4 Himayatnagar situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Hyderabad on 24-8-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Sri i. Raja Narsimha Reddy, R/o Chikkapur, Kamareddy-Tq, Nizamabad Dist.
 2. P. Bapu Reddy, S/o Narsimha Reddy, R/o Naskal-Tq. Medak Dist.

(Transferor)

(2) 1. Miss Y. Sujatha Reddy,

2. Miss Y, Sangeetha Reddy,

 Smt. Y. Nirmala Reddy, C/o Sri Y. Chinnappa Reddy, H. No. 3-6-469/1 at Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 832 Sq. Yds. at street, No. 4 at Himayathanagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2337/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-4-1978.

 Sri Harendra Ramniklal Daftary, H. No. 3-6-361/2 Himayathangar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Tulsidas M. Thaker, 15-4-591 at Afzalguni, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 22/73-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

Hyderabad on 19-8-1977

transfer with the object of-

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Plot No. 12, situated at 3-6-301 Murlidharbagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12 in M. No. 3-6-301 at Murlidharbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2297/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I(110001)

New Delhi, the 29th April 1978

Ref. No. IAC/Acq. II/1304/78-79.--Whereas I, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 1503-A, Plot No. 44 situated at Mchan Park, Navin Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-8-1977,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sidu\_Ram s/o Sh. Wasu Ram, 922, Kucha Kahal Attar, Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Chowdhari Ram S/o Sh. Ganda Ram 11217, Subhash Park, Navin Shahdara, Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ... XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House built at plot No. 44 measuring 266 sq. yds, bearing Municipal Corporation No. 1503-A, situated in Mohan Park, Navin Shahdara, Delhi and bounded as under :-

North: Property Plot No. 43 South: Plot No. 45 built

East: Road West: Land.

N. S. CHOPRA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II

Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1978